राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 03 फरवरी 2025 वर्ष-8,अंक-11 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

6 फरवरी को होगा विद्यासागर महाराज का 100 रूपये का सिक्का जारी

इंदौर । केंद्र सरकार द्वारा संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि दिवस, 6 फरवरी को 100 रूपये मूल्य का सिक्का जारी किया जा रहा है। मंत्रालय ने 31 जनवरी को गजट नोटिफिकेशन में यह घोषणा की है। जैन समाज के प्रवक्ता राजेश जैन ने जानकारी देते हुए कहा है।पहली बार जैन संत के सम्मान में केंद्र सरकार द्वारा यह सिक्का जारी किया जा रहा है।

महाकुंभ आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र, विदेशी भी कर रहे साधना

-मारिसन ने कहा- यह धार्मिक आयोजन नहीं, आत्मा को जागृत करने का अवसर

प्रयागराज। महाकुंभ मेला आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। यहां सिर्फ भारतीय श्रद्धालु ही नहीं, दुनियाभर के साधक आते हैं। महाकुंभ की दिव्यता, गंगा की निर्मलता और संतों-महात्माओं की उपस्थिति ने अनेक विदेशियों को भी भारतीय संस्कृति से जोड़ दिया है। महाकुंभ पहुंचे विदेशी संतों ने कहा कि गंगा में स्नान करना और इस परंपरा का हिस्सा बनना एक अद्भुत अनुभव है। महाकुंभ में न्यूयार्क से आई बेकी मारिसन ने गंगा में डुबकी लगाकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। वह कहती हैं महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को जागृत करने का अवसर है। यहां आकर उनके भीतर एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। न्यूयार्क की ही मैरी साइस ध्यान और योग से जुड़ी हैं। उनके मुताबिक भारत की परंपराएं आत्मा को शुद्ध करने में मदद करती हैं। इस भूमि में एक रहस्यमयी आकर्षण है, जो हर किसी को अपनी ओर खींलता है। वहीं महाकुंभ में फ्लोरिडा से आए आनंद भाई जो पहले एक सफल इंजीनियर थे, अब संन्यासी का जीवन बिता रहे हैं। वह कहते हैं कि उनका जीवन कभी भौतिक सुख-सुविधाओं में लिप्त था, लेकिन उन्हें असली शांति का अनुभव हुआ। वहीं स्विटजरलैंड के ओलिवर ओलिवर बेयार्ड भारतीय संस्कृति और योग के गहरे प्रेमी हैं। उन्होंने महाकुंभ के दौरान संतों के प्रवचन सुने और प्रार्थनाओं में शामिल हुए। वह कहते हैं यहां आकर अहसास हुआ कि अध्यात्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है। गंगा की लहरों में जो शांति है, उसे महसूस किए बिना शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

कश्मीर में ऊंची इमारतों के निर्माण का विरोध

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर देश का सबसे उच्च भूकंप जोखिम वाला क्षेत्र है। राज्य सरकार पांच मंजिल तक का भवन बनाने की अनुमति देने का संशोधन करने जा रही है। इसका जम्मू कश्मीर में बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया है। अभी जम्मू कश्मीर में तीन मंजिल से ज्यादा कोई भवन नहीं बनाया जा सकता है। नेशनल कांफ्रेंस की सरकार इस नियम को बदलने की तैयारी कर रही है।सरकार ने फ्लोर एरिया रेशियो पर लगी प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। इसका बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया है। कश्मीर घाटी के पर्यावरण विद्, वास्तुकार,सामाजिक संस्थाएं,विपक्ष सभी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वालों का कहना है, कश्मीर की भौगोलिक स्थिति ज्यादा भार वहन करने के लायक नहीं है। सरकार इस प्रस्ताव को रद्द करे।घाटी में यदि पांच मंजिला भवनों का निर्माण होगा, तो घाटी में तबाही आ सकती है।

अनंत अंबानी के महाकुंभ में पहुंचने की अटकलों के बीच लगे भंडारे और पोस्टर

प्रयागराज। महाकुंभ में भारत के बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी के आने की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ दिन पहले उनके महाकुंभ आने की चर्चा जोरों पर थी। अभी तक वह खुद तो महाकुंभ में नहीं पहुंचे, लेकिन उनकी आस्था और धार्मिक भावना का प्रभाव पूरे आयोजन में नजर आ रहा है। प्रयागराज के कई स्थानों पर उनके नाम से संचालित भंडारों के बड़े-बड़े पोस्टर लगे हैं, जो श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। महाकुंभ में अनंत अंबानी द्वारा संचालित भंडारों में हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। भोजन की उच्च गुणवत्ता और सेवा की उत्कृष्टता इसे अन्य भंडारों से अलग बनाती है। मुकेश अंबानी और उनका परिवार कई धार्मिक आयोजनों में शामिल होते रहे हैं। अनंत अंबानी के नाम से लगे भंडारों और पोस्टरों ने भी इस बात को और स्पष्ट कर दिया है कि वे भी भारतीय संस्कृति और धर्म से गहराई से जुड़े हुए हैं। भले ही अनंत अंबानी अभी महाकुंभ नहीं पहुंचे हों, लेकिन उनकी उपस्थिति को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या अनंत अंबानी महाकुंभ आएंगे या नहीं।

तीसरा अमृत स्नान आज...अलर्ट मोड पर प्रशासन...

▸▸ महाकुंभ हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका का सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, आज होगी सुनवाई, ▸▸ भगदड़ का भय...कम हुए श्रद्धालु

प्रयागराज शहर और मेला क्षेत्र में वाहनों की एंट्री बंद...सभी रेलवे स्टेशनों पर वन-वे व्यवस्था लागू

प्रयागराज। महाकुंभ में तीसरा अमृत स्नान सोमवार को है। वसंत पंचमी अमृत स्नान पर्व सोमवार को तो चार करोड़ से अधिक लोगों के स्नान की उम्मीद की जा रही है। सरकारी आंकड़ें के अनुसार दूसरे अमृत स्नान पर करीब 10 करोड़ लोगों ने स्नान किया है। कहा जा रहा है कि भगदड़ के भय से इस बार कम संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। वहीं मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में हुई भगदड़ के बाद तीर्थयात्रियों ने होटलों से बुकिंग कैंसिल कराई। एडवांस पेमेंट करने वाले श्रद्धालु अब आगे की डेट मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रयागराज में करीब 25 फीसदी बुकिंग कैंसिल करा दी गई है। पहले दिन से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस वक्त प्रयागराज में 200 होटल संचालित हो रहे हैं।

बता दें कि मौनी अमावस्या से ठीक पहली रात को संगम क्षेत्र में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 30 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। साथ ही बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए। इस हादसे के चलते उस दिन का अमृत स्नान स्थगित कर दिया गया था। हालांकि बाद में अखाड़ों के केवल गिनती के सन्यासी स्नान के लिए आए थे। वो भी बिना किसी शोभायात्रा या गाजे-बाजे के। साधारण तरीके से परंपरा के निर्वहन के लिए अखाड़ों ने उस दिन स्नान किया था।

अलर्ट मोड पर प्रशासन

हालांकि इधर भगदड़ से सबक लेते हुए शासन-प्रशासन ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया है। वहीं 3 फरवरी यानी कल होने वाले बसंत पंचमी के अमृत स्नान के लिए श्रद्धालु अभी से महाकुंभ नगर पहुंच चुके हैं। प्रशासन ने स्नान की तैयारी पूरी कर ली है। मेला क्षेत्र में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। स्नान घाटों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही डीप वाटर बैरिकेडिंग लगाई गई है। श्रद्धालुओं के आने-जाने का मार्ग निर्धारित किया गया है। पुलिस के जवानों को चप्पे-चप्पे पर तैनात किया गया है। पूरे मेले की सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। बसंत पंचमी पर करोड़ों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

अमृत स्नान को लेकर विशेष तैयारी

वसंत पंचमी के मौके पर महाकुंभ में होने वाला तीसरा अमृत स्नान सोमवार सुबह 5 बजे से शुरू होगा। सबसे पहले सुबह 4 बजे पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी अमृत स्नान के लिए संगम घाट पर पहुंचेगा। इसके बाद एक-एक करके अन्य 12 अखाड़े भी संगम में डुबकी लगाएंगे। बता दें कि मौनी अमावस्या के दिन 29 और 30 जनवरी की दरमियानी रात 2 बजे के करीब प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ मची थी। घटना के करीब 16 घंटे बाद महाकुंभ प्रशासन ने 30 श्रद्धालुओं की मौत और 60 के घायल होने की पुष्टि की थी।

मेला में तैनात किए गए पांच और एसडीएम

मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर हुए हादसे के बाद सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। किसी तरह की कमी न रहे, इसके लिए हर स्तर पर कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासन की ओर से मेला क्षेत्र में कुंभ 2019 में प्रयागराज के मंडलायुक्त रहे आशीष गोयल तथा पीडीए के उपाध्यक्ष तथा डीएम रहे भानु चंद्र गोस्वामी के साथ पांच विशेष सचिवों की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। शनिवार को पीसीएस स्तर के पांच और अफसरों की मेले में तैनाती की गई।

महाकुंभ भगदड़ में साजिश के एंगल की तलाश

16 हजार मोबाइल नंबर खंगाल रही एसटीएफ

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ की जांच तेज कर दी है। यूपी एसटीएफ की टीमें साजिश के एंगल पर जांच करने में जुटी हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि महाकुंभ में कहीं साजिश के तहत भगदड़ करवाई तो नहीं गई। अपनी जांच के तहत यूपी एसटीएफ संगम नोज के आसपास सक्रिय मोबाइल नंबरों का डेटा खंगाल रही है।

सूत्रों की मानें तो 16 हजार से अधिक मोबाइल नंबरों के डेटा का विश्लेषण किया जा रहा है। अब तक की जांच में कई मोबाइल नंबर घटना के बाद से ही बंद आ रहे हैं। महाकुंभ मेला एरिया में बने कमांड एंड कंट्रोल रूम के सीसीटीवी से संदिग्धों को फेस रिकग्निशन ऐप के जरिए चिन्हित किया जा रहा। वसंत पंचमी के स्नान को लेकर यूपी पुलिस हाई अलर्ट पर है। आज रात भर यूपी पुलिस के बड़े अफसर रहेंगे महाकुंभ और प्रयागराज में फील्ड पर सक्रिय रहेंगे। वसंत पंचमी के मौके पर महाकुंभ में होने वाला तीसरा अमृत स्नान सोमवार सुबह 5 बजे से शुरू होगा। सबसे पहले सुबह 4 बजे पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी अमृत स्नान के लिए संगम घाट पर पहुंचेगा। इसके बाद एक-एक करके अन्य 12 अखाड़े भी संगम में डुबकी लगाएंगे। बता दें कि मौनी अमावस्या के दिन 29 और 30 जनवरी की दरमियानी रात 2 बजे के करीब प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ मची थी। घटना के करीब 16 घंटे बाद महाकुंभ प्रशासन ने 30 श्रद्धालुओं की मौत और 60 के घायल होने की पुष्टि की थी। प्रयागराज शहर में 4 फरवरी तक वाहनों की एंट्री पर रोक उत्तर प्रदेश सूचना विभाग के अनुसार, 2 फरवरी को सुबह 8 बजे तक 41.90 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई थी। इस तरह महाकुंभ के दौरान अब तक 34 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया है। वसंत पंचमी के मौके पर 3 फरवरी को होने वाले अमृत स्नान से पहले प्रयागराज शहर में बाहर से आने वाली गाडियों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। दूसरे जनपदों से आने वाले श्रद्धालुओं को अपने वाहन शहरी क्षेत्र के बाहर बनाए गए पार्किंग स्टैंड में खड़े करने होंगे।

संसद में दिखाई जाएगी रामायण- द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम

24 जनवरी को 4 भाषाओं में रिलीज हुई एनिमेटेड फिल्म

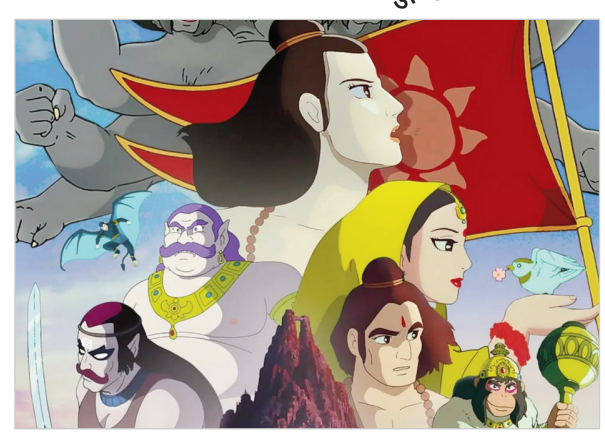

नई दिल्ली।

संसद में 15 फरवरी को 1993 की जापानी-भारतीय एनीमेशन फिल्म रामायण- द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम की विशेष स्क्रीनिंग होगी। स्क्रीनिंग में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ-साथ संसद के सदस्य और सांस्कृतिक क्षेत्रों से आमंत्रित लोग शामिल होंगे। रामायण- द लीजेंड ऑफ़ प्रिंस राम भारत में 24 जनवरी को अंग्रेजी वर्जन के साथ हिंदी, तमिल और तेलुगु में नए डब के साथ रिलीज हुई है। फिल्म का डायरेक्शन युगो साको, राम मोहन और कोइची सासाकी ने किया है।

कॉलेज में सरस्वती पूजा कराने के लिए हाईकोर्ट ने दिए सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश

छात्रों ने शिकायत में कहा था- बाहरी लोग पूजा में बाधा डालने की दे रहे धमकी

कोलकाता।

कोलकाता के जोगेश चंद्र लॉ कॉलेज में सरस्वती पूजा का विवाद हाई कोर्ट पहुंच गया। हाईकोर्ट ने कहा कि उत्सव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो। दरअसल, लॉ कॉलेज के छात्रों ने शिकायत की थी कि बाहरी लोग उन्हें धमकी दे रहे हैं और सरस्वती पूजा की तैयारियों में बाधा डाली जा रही है। इसे लेकर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पुलिस को कार्यक्रम के लिए सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया। जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए संयुक्त आयुक्त स्तर का अधिकारी स्थिति की निगरानी करेगा।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि हमें आवेदन मिला है, जिसमें राज्य और कॉलेज के अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई। कोलकाता के प्रिंस अनवर शाह रोड के पास स्थित जोगेश चंद्र चौधरी कॉलेज और जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज में पर्याप्त सुरक्षा की जरूरत है।

सरस्वती पूजा का रोकने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में कोई भी बाहरी व्यक्ति कॉलेज परिसर में जबरन प्रवेश नहीं कर सकता है। सरस्वती पूजा सम्पन्न कराने के लिए ओपन एंट्री और एग्जिट को रोका जाए।

कथित तौर पर शब्बीर अली नाम के व्यक्ति पर आरोप है कि उसने धमकी दी और उत्सव को रोका जाएगा। अब छात्रों ने हाईकोर्ट के आदेश पर राहत की सांस ली।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा था कि उत्सव को रोकने के किसी भी प्रयास को अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह जोगेश चंद्र लॉ कॉलेज परिसर में पूजा की इजाजत दी जानी चाहिए और उत्सव को रोकने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉलेज में सरस्वती पूजा को रोकने के किसी भी प्रयास की अनुमति नहीं दी जाएगी। अगर कोई धमकायेगा या जबरदस्ती करेगा तो सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

17 अप्रैल को होगा नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उदघाटन

- नवी मुंबई स्थानांतरित की जाएंगी मुंबई से उड़ानें

अक्टूबर 2025 तक बंद हो जाएगा मुंबई टी1 टर्मिनल

मुंबई।

पिछले 70 वर्षों में मुंबई की आबादी 10 गुना बढ़ गई है, लेकिन हवाई अड्डा वही बना हुआ है। लेकिन अब नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) से उड़ान सेवाएं मई में शुरू होने वाली है। इससे मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर भार कम हो जाएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी से मिली जानकारी के अनुसार नए एयरपोर्ट का उद्घाटन 17 अप्रैल को होगा। लेकिन विमान सेवा मई में शुरू होगी। शुरुआत में केवल टी-1 टर्मिनल और एक रनवे से काम शुरू होगा। अन्य सुविधाएं भी चरणबद्ध तरीके से खोली जाएंगी। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के खुलने के बाद, मुंबई हवाई अड्डे के टी 1 और टी 2 टर्मिनल से संचालित कुछ उड़ानों को नए हवाई अड्डे पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। यहां वाणिज्यिक उड़ानें मई के अंत तक

शुरू होने की उम्मीद है। उम्मीद है कि पहले कुछ महीनों में नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 2 से 3 करोड़ यात्री आ सकते हैं।

मुंबई टी1 अक्टूबर 2025 तक बंद हो जाएगा

मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 2024 में 5.5 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करेगा। मई से नवी मुंबई हवाई अड्डे से लगभग 1.1 करोड़ यात्री यात्रा करेंगे। मुंबई हवाई अड्डे का टी1 टर्मिनल पुनर्निर्माण के लिए अक्टूबर 2025 से बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद यह 2029 में पुनः प्रारम्भ होगा।

4 मई को खुलेंगे बद्रीनाथ के कपाट, डिमरी पुजारी गाडू घड़ा लेकर ऋषिकेश पहुंचे

-धार्मिक मान्यता है वसंत पंचमी के दिन होती है कपाल खुलने की तिथि तय

ऋषिकेश।

भगवान बद्रीधाम के कपाट खुलने की तारीख तय हो गई। डिमरी पुजारी गाडू घड़ा लेकर ऋषिकेश पहुंचे। रविवार को टिहरी जिले के नरेंद्रनगर राजमहल में गाडू घड़ा पहुंचेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार वसंत पंचमी के दिन ब्रदीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की जाती है। इस दिन तेल पिरोने की तिथि भी तय होती है। उसके बाद तेल को गाडू घड़े में भरा जाएगा। तब तक गाडू घड़ा राजमहल में ही रहेगा। इस यात्रा वर्ष में ब्रदीनाथ धाम के कपाट 4 मई को सुबह छह बजे खुलेंगे। नरेंद्र नगर, टिहरी स्थित राजमहल में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर आयोजित सादे धार्मिक कार्यक्रम में राज परिवार, श्री ब्रदीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति, श्री डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत की उपस्थिति में धर्माचार्यों ने पंचाग गणना के मुताबिक श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की। वहीं 22 अप्रैल को गाडू घड़ा के लिए तिलों से तेल पिरोने की तिथि भी तय की गई है। बता दें कि ब्रदीनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से होती है। शनिवार को डिमरी पुजारियों के गांव डिम्मर में लक्ष्मी नारायण मंदिर से पूजा अर्चना और बाल भोग के बाद गाडू घड़ा को ऋषिकेश के लिए रवाना किया गया। देर शाम तीर्थनगरी में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के विश्राम गृह में गाडू घड़ा यात्रा यहां पहुंची। शाम को डिमरी पुजारियों ने परंपरा के मुताबिक विश्राम गृह में आरती की। पुजारी शैलेंद्र प्रसाद डिमरी, नरेश डिमरी, हरीश डिमरी, अरविंद डिमरी गाडू घड़ा यात्रा के साथ पहुंचे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंम्भ में सेवाभाव की जरुरत

(लेखक- संजय गोस्वामी)

महाकुम्भ 25 में अधिकतर श्रद्धालु अपनी पत्नियों के साथ गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। जिससे उनका रिश्ता अगले सात जन्मों तक ऐसा ही चलता रहे, लेकिन से महाकुंभ को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके कारण पति और पत्नी के बीच तलाक की नौबत बन गई है। 55 वर्षीय पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में आवेदन किया है।

इस मामले में पति नहीं चाहता था, कि पत्नी महाकुंभ में नहाने जाए। इसके बावजूद पत्नी अपनी इच्छा से सहेलियों के साथ प्रयागराज पहुंच गई। जिसके कारण पति नाराज हो गया। उसने फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए आवेदन भी कर दिया। इसमें उसने लिखा है, कि उसे साध्वी नहीं, ऐसी पत्नी चाहिए जो संजने और संवरने के साथ उसकी इच्छाओं का भी ख्याल रखे। जबकि इस मामले में पत्नी का कहना है, कि उसमें कोई बुराई नहीं है और वो पति के लिए अपनी वेशभूषा में बदलाव नहीं कर सकती है इसमें मैं यदि किसी के बारे में कुछ लिखूंगा तो ठीक नहीं होगा दरअसल इसमें किसी का दोष है तो वो नासमझी का क्योंकि कोई भी शुभ कार्य दोनों के द्वारा नहीं होता है तो शुभ नहीं है लेकिन अब पहले जैसी बात बिल्कुल नहीं है यह बात समाज में गई होगी जिससे पति परेशान होगा और ऐसा कदम उठाने पर मजबूर हुआ इसमें किसी पक्ष का दोष नहीं है ऐ सिस्टम का दोष है वो जमाना गया जब कोई पतीव्रता स्त्री मिलेगी शादी से पहले सभी एक दूसरे की जीने मरने की कसम खाते हैं बाद में पलट जाते हैं किसी भी पत्नी को जब पति दुनिया में नहीं होता तब यह अहसास होता है जब सभी लोग उसका मज़ाक उड़ाते हैं लेकिब आप किसी को दबा कर तो नहीं रख सकते हैं बहुत पहले गाँव में मैंने खुद देखा हैं पति को कोई बीमारी हो गया तो पत्नी डॉ के सामने रोने लगती है यदि मान सम्मान की बात की जाए तो रिश्ता तभी बनता है यदि दोनों हाथ से ताली बजते हैं और यह सही है कि यदि दोनों स्नान करें तो शायद आगे भी उसको वही पति मिले ऐ शास्त्र में साफ साफ लिखा है पति का गुस्सा होना जायज है लेकिन इस मामले को शांति से लेना चाहिए क्योंकि अगर उसको पति से ज्यादा महाकुम्भ लगता है तो सही नहीं है क्योंकि आप उसके साथ जीने मरने की सात फेरे लेते हैं बाद में अपने विवेक से काम ना कर महाकुम्भ 25 को इतना ज्यादा महत्व देते हैं जैसे भगवान आ गए हैं इस पर एक जोख क्ल लिख रहा हूँ एक जज से मैंने पूछा सर, इसने मर्डर किया है अपराधी जेल में होगा या नहीं क्योंकि वह महा कुम्भ में सारे पाप धो दिया है माफ़ कर दिजिये, जज ने कहा पागल हैं क्या? क्या महाकुम्भ में नहाने से पाप धुलते हैं क्या? अतः लोग रिश्ते से ज्यादा इसे महत्व दें रहें हैं आज यह धार्मिक कम राजनीति ज्यादा हो गया है और ऐ मीडिया का काम है बार बार ध्यान दिलाना कि इसके बाद 144 साल बाद आएगा ऐ एक मेला है जो विशाल मेला है जिसमें अध्यात्मिकता है लेकिन आप मन को भटकने नहीं दें मायारूपी संसार मिथ्या है सच प्रभु राम है इन्द्रियों को नियंत्रित कर प्रभु राम का स्मरण करते हुए अच्छे कर्म को करें आप जीतेंगे महाकुम्भ में जो नहीं जा पाएं उन्हें अफ़सोस करने की जरुरत नहीं है वहाँ बहुत फिड़ है अंत में आपके कर्मों का हिसाब भगवान श्री राम के पास ही आता है जो आपको क्षमा करने की शक्ति रखते हैं सिमरन करें प्रभु राम का जो अहिल्या को अपने चरणों से उद्धार किया इसलिए आप हमेशा इस मामलों को ईश्वर यानि भगवान राम के ऊपर छोड़ दीजिये वो जो करेगा वो जब समय आएगा तो मालूम होता है ऐ मान कर चलिए ईश्वर का न्याय है तभी ऐ संसार चल रहा है यदि वो एक दूसरे को न्याय नहीं करता तो संसार का चलना मुश्किल होता क्योंकि किसी भी सिस्टम को चलाने हेतु सभी यंत्रो पर बराबर ध्यान दिया जाता है यदि कोई भी ख़राब हुआ तो सिस्टम फेल हो जाता है इसका उदाहरण यही महाकुम्भ में भी देखने को मिला जब भीड़ पर नियंत्रण नहीं रहा और 30 से अधिक श्रद्धालु की मौत मौनी अमावस्या में भगदड़ के कारण हुई वहाँ अमृत नहीं मिलेगा क्योंकि पहले ऐ जान लें अमृत है क्या अमृत वह है जो कभी न

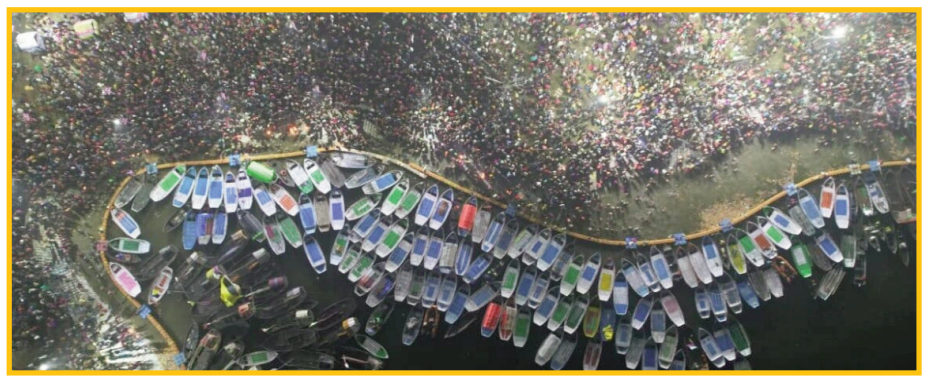

मरने वाला रस लेकिब आप वहाँ जहाँ त्रिवेणी जा कर स्नान कर ऐ सोचेंगे कि अमृत मिल गया तो गलत है क्योंकि उसके बाद भी मरना निश्चित है कर्म करें और एक अच्छा इंसान बनने की कोशिश करें ये क्या है आप अपने स्वार्थ के लिए इंसानियत ही खो बैठे मैं जब अमृतसर गुरूद्वारे में गया तो वहाँ सेवादार थे जो एक दूसरों को समझा रहें थे कि लाइन मत तोड़ीऐ इससे संगत भंग होता है सब्र करें गुरु सबको दर्शन देंगें और यह सेवा भाव ही आपको एक दिन महान बनाता है उसके बाद वहाँ लंगर खाया और शांति मिली सेवाभाव से बढ़कर कोई चीज नहीं है ऐ उनके गुरूओं ने सीखाया है। समुद्र मंथन से अमृत की बुँदे कहाँ गिरी ऐ सही में किसी को नहीं मालूम है लेकिन इतना अवश्य मालूम है उससे निकलने वाले हलाहल विष को भगवान शंकर ने पिया और गले में अटका लिया जो यह शिक्षा देती है अमृत के पीछे मत भागो विष को गले में अटकाना भी आना चाहिए यानि त्याग की भावना आपमें नहीं आएगी तो आप एक अच्छा व्यक्ति नहीं बन सकते हैं यही बात सिख समुदाय के गुरू ने खासकर गुरुगोविन्द सिंह ने अपने पिता से लेकर सभी पुत्रों को खोने के बाद इंसानियत को जिन्दा रखना और अन्याय के विरुद्ध लड़ने को सिखाया है और तभी वहाँ लंगर चलता है वो गुरू में अपार श्रद्धा रखते हैं और बड़े से बड़ा लोग सेवा भाव में नजर आते हैं इसलिए उन्होंने कहा है गुरु गोबिंद सिंह जी की वीरता को इन पंक्तियों से जाना जा सकता है- ੴसवा लाख से एक लड़ाऊँ चिड़ियों सों मैं बाज तड़ऊँ तबे गोबिंदसिंह नाम कहाऊँ॥। ऐ शब्द चमकौर के युद्ध से निकला है जब श्री गुरू गोविन्द सिंह जी के मात्र 40 सैनिक 10लाख से ज्यादा औरंगजेब की मुगलों सेना से लड़ा है इसका मतलब है कि गुरू का एक सेना सवालाख सैनिक से लड़कर शहीद होगा लेकिन घुटने नहीं टेकेगा जीवन और मौत इस संसार की प्रक्रिया है और आप यदि इसमें शहीद भी हो गए तो चिंता की बात नहीं मौत तो ऐसे भी एक दिन अवश्य आएगा लेकिब सतकर्मन से कभी ना डरो ऐ भी गुरू ने समझाया है और सेवा से बढकर कोई चीज नहीं है शायद महाकुम्भ भी अतः हमेशा त्याग और समर्पण की भाव से किसी भी धार्मिक कार्य को करना चाहिए और दुनिया से यही साथ जायेगा तेरा तुझको सौंप कर क्या लागे मेरा इसलिए शायद पंजाब से महाकुम्भ में सबसे कम लोग आए हैं क्योंकि उन्हें गुरू से ज्यादा किसी और पर उतना विश्वास नहीं है।

यदि किसी भी पत्नी भी इस सेवा भाव से श्रद्धांलू को मदद करती तो ऐसी नौबत ही नहीं आती सेवा से बढकर कुछ भी नहीं ख़ासकर गरीबों की सेवा करना जो सभी धर्मों में लिखा है।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

समुद्र मंथन से अमृत की बुँदे कहाँ गिरी ऐ सही में किसी को नहीं मालूम है लेकिन इतना अवश्य मालूम है उससे निकलने वाले हलाहल विष को भगवान शंकर ने पिया और गले में अटका लिया जो यह शिक्षा देती है अमृत के पीछे मत भागो विष को गले में अटकाना भी आना चाहिए यानि त्याग की भावना आपमें नहीं आएगी तो आप एक अच्छा व्यक्ति नहीं बन सकते हैं

संपादकीय

ग्लोबल वार्मिंग

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से जहां सामान्य जन-जीवन बाधित है, वहीं खेती किसानी पर भी नया संकट मंडरा रहा है। खासकर भारत जैसे देश में जहां अधिकांश कृषि मानसूनी बारिश पर निर्भर है। सबसे बड़ा संकट हमारे कृषि क्षेत्र पर है, जहां उत्पादकता घटने से हमारी खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ती नजर आ रही है। लेकिन अब 'नेचर क्लाइमेट चेंज' पत्रिका में प्रकाशित वह रिपोर्ट चौंकाती है, जिसमें खुलासा किया गया है कि भारत में करीब साढ़े पांच करोड़ बच्चों की शिक्षा हीटवेव से बाधित हुई है। यह संकट यूं तो पूरी दुनिया में है लेकिन दक्षिण एशिया के अन्य देशों के मुकाबले दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत में इसका ज्यादा प्रभाव देखा गया है। रिपोर्ट दावा करती है कि वर्ष 2024 में लू के कारण भारत में शिक्षा व्यवस्था पर खासा प्रतिकूल असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ की रिपोर्ट 'लर्निंग इंटरप्टेड - ग्लोबल स्नैपशॉट ऑफ क्लाइमेट-रिलेटेड स्कूल डिसरप्शंस इन 2024' में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उल्लेखनीय है कि अब तक कृषि व मौसम के चक्र पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के अध्ययन निष्कर्ष तो सामने आए, लेकिन बच्चों के प्रति कोई ऐसा संवेदनशील अध्ययन सामने नहीं आया था। जिसने जहां एक ओर अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी, वहीं सरकार पर दबाव बनाया कि वह बच्चों व शिक्षा पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले असर को कम करने के लिये कारगर नीतियां यथाशीघ्र बनाये। निस्संदेह, यह अध्ययन देश के नीति-नियंताओं को चेताता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये शिक्षा ही नहीं स्वास्थ्य आदि अन्य क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर काम करने की जरूरत है। शिक्षाविदों के साथ ही चिकित्सा बिरादरी के लोगों को भी इस ज्वलंत मुद्दे पर मंथन करने की जरूरत है क्योंकि अध्ययन में वर्ष 2050 तक बच्चों पर गर्म हवाओं का असर आठ गुना तक बढ़ने की आशंका है। बीता साल एक सदी से अधिक अवधि के बाद का सबसे गर्म साल घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने सूचित किया था कि वर्ष 2024 वर्ष 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म साल रहा है। जो ग्लोबल वार्मिंग के भयावह संकट को ही उजागर करता है। यह भी कि यदि देश-दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के नियंत्रण के लिये वैश्विक सहमति शीघ्र नहीं बनती तो आने वाले वर्षों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है। जो न केवल बच्चों की शिक्षा बल्कि उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डालेगा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग संकट से बच्चों की शिक्षा बाधित होने से उनके भविष्य पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। लू की गर्म लहरों के बीच छोटे बच्चों का स्कूल जाना संभव नहीं हो पाता। अभिभावक भी पढ़ाई की तुलना में उनके जीवन को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में समय रहते स्कूलों के समय निर्धारण में परिवर्तन और बढ़ती गर्मी से जुड़ी सावधानियों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर इस संकट का मुकाबला किया जा सकता है। इसके अलावा देश में जलवायु परिवर्तन प्रभावों का हमारे जन-जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों के मूल्यांकन के लिये व्यापक अध्ययन व शोध करने की जरूरत महसूस की जा रही है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो इसके प्रभाव दीर्घकालीन हो सकते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू पर बेचारी लेडी का कटाक्ष दुर्भाग्यपूर्ण

(लेखक- ललित गर्ग)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी को भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य राजनीतिक दलों ने ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी आपत्तिजनक, अशालीन एवं स्तरहीन बताया है। राष्ट्रपति भवन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यह बयान न केवल गलत है, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। संसद के बजट सत्र के पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सोनिया गांधी ने जिस तरह एवं जिन शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उस पर विवाद खड़ा हो जाना इसलिये स्वाभाविक है क्योंकि यह बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भाषा और आरोपों को लेकर सतर्क, शालीन एवं शिष्ट रहे। विशेषतः कांग्रेस के नेता अक्सर अपने बोल, बयान एवं भाषा की शिष्टता से चुकते रहे हैं। भारत की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था में सबसे प्रतिष्ठित पद राष्ट्रपति का है। लेकिन, सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जिस तरह से राजनीति प्रेरित होकर विचार एवं नीतियों की आलोचना करने की बजाय सीधा राष्ट्रपति पर कटाक्ष किया है, उससे इस पद की गरिमा को गहरा आघात लगा है। राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को रेखांकित करता है, इसमें राष्ट्रपति की अपनी कोई विशिष्ट विचारधारा नहीं होती, इसलिए विपक्ष चाहे तो नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना कर सकता है, यह उसका अधिकार होता है। वह इस अधिकार का उपयोग करता है और उसे करना भी चाहिए, लेकिन इस लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग राष्ट्रपति के व्यक्तित्व का छिद्रान्वेशन करना कैसे हो सकता है? यह अच्छा नहीं हुआ कि सोनिया गांधी ने अभिभाषण में व्यक्त विचारों के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करने के स्थान पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पर ही कटाक्ष एवं तंज कस दिया। उन्हें यह कहने की आवश्यकता नहीं थी कि अभिभाषण के आखिर तक आते-आते राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं।

कठिनाई से बोल पा रही थीं। बेचारी महिला। पता नहीं सोनिया गांधी ने यह निष्कर्ष कैसे निकाल लिया और यदि निकाल भी लिया तो उन्हें उसे बेचारी महिला जैसे शब्दों में व्यक्त नहीं करना चाहिए था, यह उनकी राजनीति अशिष्टता, अशालीनता, अहंकार एवं अपरिपक्वता का ही द्योतक है। ऐसा लगता है कांग्रेस एवं उनके शीर्ष नेताओं की चेतना में स्वस्थ समालोचना के बजाय विरोध की चेतना मुखर रहती है। ऐसे अमर्यादित एवं अशोभनीय आलोचना ने राष्ट्रपति पद की अस्मिता एवं अस्तित्व पर सीधा एवं तीखा आक्रमण कर दिया है।

यह आश्चर्य का नहीं बल्कि सर्तकता, समयज्ञता एवं जागरूकता विषय है कि राष्ट्रपति भवन को सोनिया गांधी की टिप्पणी पर अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करनी पड़ी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देनी पड़ी है और कांग्रेस के बयान को न केवल गलत कहा, बल्कि इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला भी बताया। राष्ट्रपति ने हिंदी जो उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन एवं प्रभावी भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। राष्ट्रपति भवन ने अपने बयान में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने संबोधन के दौरान किसी भी पल थकी नहीं थीं, उन्होंने पूरे आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ संसद को संबोधित किया। विशेष रूप से जब वे हाशिए पर खड़े समुदायों, महिलाओं और किसानों के अधिकारों की बात कर रही थीं, तब वे और भी ज्यादा संकल्पित एवं ऊर्जा से भरी हुए थीं। राष्ट्रपति को विश्वास है कि इन वर्गों की आवाज उठाना कभी भी थकावट का कारण नहीं बन सकता, बल्कि यह उनके कर्तव्य का एक अहम हिस्सा है। इसके अलावा, राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं की हिंदी भाषा की समझ पर भी सवाल उठाए। बयान में कहा गया कि संभवतः ये नेता हिंदी भाषा की लोकोक्तियों और मुहावरों से भली-भांति परिचित नहीं हैं, जिसके कारण उन्होंने राष्ट्रपति के भाषण की गलत व्याख्या कर ली। राष्ट्रपति भवन ने कहा कि ऐसे भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण बयानों से बचा जाना चाहिए, जो न केवल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाते हैं। राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं के बयानों को खराब और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए यह भी कहा कि इस तरह की टिप्पणियां पूरी तरह से अनुचित हैं और इन्हें टाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भाषा और आरोपों को लेकर सतर्क रहें। राष्ट्रपति भवन की यह कठोर प्रतिक्रिया कांग्रेस नेताओं के लिये सबक एवं सीख बननी चाहिए।

स्वाभाविक रूप से कांग्रेस नेताओं और खुद प्रियंका गांधी ने सोनिया गांधी का बचाव किया, लेकिन यह समझा जा सके तो बेहतर होता कि उन्हें अपने शब्दों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए थी। ऐसे बयान ने न केवल गैरजिम्मेदाराना एवं विध्वंसात्मक इरादों को ही नहीं, छल-कपट की राजनीति को भी बेनकाब किया है। कांग्रेस न जाने क्यों मानसिक दुर्बलता की शिकार है कि उसे अंधेरे सायों से ही प्यार है। ऐसे राजनीतिक दलों एवं सोनिया गांधी जैसे राजनेताओं की आंखों में किरणें आंज दी जाएं तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजालों के नाम से ही एलर्जी है। तरस आता है सोनिया जैसे राजनेताओं की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबन्द लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर राजनीतिक सागर की यात्रा करना चाहते हैं। इसीलिये राष्ट्रपति भवन ने यह सही कहा कि सोनिया गांधी की ओर से जो टिप्पणी की गई, वह सर्वथा टालने योग्य थी। शीर्ष नेताओं को अपनी बात कहते समय पद की गरिमा के साथ अपने शब्द चयन में सावधानी बरतनी चाहिए। उस समय तो और भी जब टिप्पणी राष्ट्रपति के संदर्भ में की जा रही हो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जिस सामाजिक परिवेश और पृष्ठभूमि से आती हैं, उसे देखते हुए तो और भी संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। समस्या यह है कि सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी, वे किसी की आलोचना करते समय शब्दों के सही चयन में प्रायः चूक कर जाते हैं। जब ऐसा होता है तो यही ध्वनित होता है कि गांधी परिवार के सदस्य अहंकार में डूब कर अपनी राजशाही मानसिकता का परित्याग नहीं कर पा रहे हैं।

(चिंतन-मनन)

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं।

भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगामियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकर्षण उसके सामने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नशेबाजी, व्यभिचार आदि के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बताकर कई बार उस ओर चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वतः छोड़ देते हैं।

विचार मंथन

नियम कानून के बोझ से दबी भारत की जनता

(लेखक-सनत जैन)

भारत की अर्थव्यवस्था दिनों दिन खराब होती चली जा रही है। पहले नोटबंदी, उसके बाद जीएसटी, उसके बाद कोरोना ने भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पिछले 10 वर्षों से भारत में जिस तरह से नियम और कानून बदले जा रहे हैं। उसके कारण भारत में भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। भारत में लाल फीताशाही ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। जीएसटी कानून में हजारों परिवर्तन सरकार ने समय-समय पर किए हैं।इसी तरह से जब नोटबंदी की गई थी। उस समय भी बार-बार नियमों में बदलाव किया गया। सरकार बहुत सारे बिल मनी बिल के रूप में लेकर आती है। सरकार ने नियमों में जो परिवर्तन किया है। अब संसद में कानून और नियमों पर कोई चर्चा नहीं होती है। जिसके कारण भारत में अराजकता देखने को मिल रही है। नियमों में लगातार बदलाव और एक के बाद एक नये नियम बना देने से भारत में निवेश, उद्योग, व्यापार पर असर पड़ा है।विशेष रूप से लघु उद्योग एवं कारोबार धीरे-धीरे समाप्त होते चले जा रहे हैं।वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत में नियम और कानून बड़ी तेजी के साथ बदले गए हैं। 2014 के बाद यह परिवर्तन ओर भी तेजी के साथ होने लगे। सरकार मनी बिल लाकर नियमों में संशोधन करने लगी। जिसके कारण देश में जो नियम और कानून प्रचलित हैं। वह एक दूसरे को ओवरलैप कर रहे हैं। जिसके कारण रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचारपिछले एक दशक में तेजी के साथ बढा है। औद्योगिक प्रगति में बाधा उत्पन्न हो रही है। नियमों में आए दिन विभागीय स्तर पर बदलाव हो रहा है। जिसके कारण भारत में अराजकता की स्थिति बनने लगी है। इसका फायदा नौकरशाही बड़े पैमाने पर उठा रही है। दुनिया भर के देशों में नियम और कानून के मकडजाल से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस अर्जेंटीना जैसे देशों में नियमों और कानून की जटिलता खत्म करते हुए कम से कम नियम बनाने की बात होने लगी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नौकरशाही के अधिकार सीमित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेईं ने भी अपने देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए नौकरशाही और लाल फीताशाही को लेकर कड़े निर्णय लेना शुरू कर दिए हैं। ब्रिटेन की सरकार भी अपने नियम और कानून कम से कम लागू करने की बात करने लगी है।भारत में पिछले 10 वर्षों में ऑनलाइन कारोबार और सर्विस शुरू हुई है।उसके बाद कानून और नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं।ऑनलाइन फॉर्म में गैर जरूरी जानकारी बार-बार मांगी जाती है। सरकारी विभागों में ऑनलाइन के साथ संबंधित विभागों में लिखित दस्तावेज के रूप में भी जानकारी प्रस्तुत करनी होती है। जिसके कारण आम आदमी को दोहरी मार का शिकार होना पड़ रहा है। सारी जिम्मेदारी जनता के सिर पर डाली जा रही है।कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने हाल ही में एक शोध किया है। शोध के परिणाम में कहा गया है, ज्यादा नियम कानून और लाल फीता शाही के कारण जीडीपी में चार फ़ीसदी तक का नुकसान लगभग सभी देशों में देखने को मिल रहा है। पिछले 10 सालों में जिस तरह से दुनिया में वेंचर कैपिटल, कंज्यूमर सेवाओं, ई-कॉमर्स-ई सर्विस,आयात- निर्यात,बैंकिंग एवं तकनीकी के क्षेत्र में जो परिवर्तन आए हैं। इसका असर लघु कारोबारी, लघु उद्योग इत्यादि में दुष्प्रभाव के रूप में पड़ रहा है।1993 से सारी दुनिया के देशों में वैश्विक व्यापार संधि के कारण नए-नए नियम और कानून की बाढ़ आ गई है। अब उसके दुष्प्रभाव सामने आने लगे हैं।जिसके कारण दुनिया भर के देशों में कम से कम कानून और कम नियम बनाने की बात होने लगी है। नियम और कानूनो की बाढ़ ने सरकारी लाल फीताशाही और और नौकरशाही के भ्रष्टाचार और रिश्वत को बढ़ा दिया है। भारत को भी बड़े पैमाने पर बदलाव करने होंगे। नियम और कानून भारत में पहले सँसद और विधानसभा में प्रस्तुत करके कानून और उनके नियम बनाए जाते थे। पिछले एक दशक में सँसद और विधानसभाएं कमजोर हुई हैं। बिना चर्चा के कानून बन रहे हैं। नियमों को लेकर भी सदन में कोई चर्चा नहीं होती है।जिसका असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था में देखने को मिल रहा है। सबसे बड़ा दुष्प्रभाव जीडीपी के साथ-साथ रिश्वतखोरी के रूप में देखने को मिल रहा है। सरकार भी नौकरशाही को नियंत्रित नहीं कर पा रही है। सरकारी स्तर पर भी भ्रष्टाचार लगातार बढ़ता चला जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप भारत जैसे देश में स्थानीय स्तर पर उद्योग और कारोबार धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनवरी में जीएसटी संग्रह 195506 करोड़ रहा

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह जनवरी 2025 में 195506 करोड़ रुपये रहा जो जनवरी 2024 में संग्रिहत 174106 करोड़ रुपये की तुलना में 12.3 प्रतिशत अधिक है। जीएसटीएन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 171653 करोड़ रुपये रहा है जो जनवरी 2024 में संग्रहित 154851 करोड़ रुपये की तुलना में 10.9 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2025 में कुल रिफंड 23853 करोड़ रुपये रहा है जो जनवरी 2024 के रिफंड की तुलना में 23.9 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2025 में सीजीएसटी 36077 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 44942 करोड़ रुपये, आई जीएसटी 101075 करोड़ रुपये रहा है। इसके अतिरिक्त अभिभार 13412 करोड़ रुपये रहा है।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग अप्रैल-दिसंबर में 38 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर के दौरान 38 प्रतिशत घटकर 10,065.7 करोड़ रुपये रही है। कंपनी ने बताया कि नियामकीय मंजूरी में देरी के कारण वह कम आवासीय परियोजनाएं शुरू कर सकी। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से है। अपनी हालिया निवेशक प्रस्तुति के अनुसार कंपनी ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के पहले नौ महीनों के दौरान 13,128 रुपये प्रति वर्ग फुट की औसत कीमत पर 80.9 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा। बेची गई इकाइयों की संख्या 3,618 थी, जबकि बिक्री मूल्य 10,065.7 करोड़ रुपये और ग्राहकों से संग्रह 8,910.9 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल बिक्री बुकिंग में गिरावट के बावजूद, प्रेस्टीज एस्टेट्स को पूरे वित्त वर्ष में 24,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग मिलने का भरोसा है, क्योंकि घरों की मांग मजबूत बनी हुई है। पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की बिक्री बुकिंग 63 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 21,040 करोड़ रुपये थी, जो उससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 12,931 करोड़ रुपये थी।

हिमाचल प्रदेश: केंद्रीय बजट में आयकर से 1.50 लाख आयकरदाताओं को लाभ

शिमला । हिमाचल प्रदेश में 12 लाख रुपये तक की आय में आयकर की छूट से 1.50 लाख आयकरदाताओं को सीधे लाभ मिलेगा। यह नई आयकर सीमा को बढ़ाने से मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। इसमें 80 हजार सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश से 4.20 लाख लोग आयकर भरते हैं, जिसमें से 1.50 लाख ही आयकर देते हैं। आयकर सीमा को बढ़ाने के बाद 40 हजार सरकारी कर्मचारी आयकर मुक्त होंगे। ये आयकर सीमा को बढ़ाने का फोटो पीछे के वर्षों से कर्मचारियों की मांग थी। इस संबंध में सर्व कर्मचारी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मध्यम वर्ग को अवश्य राहत दी गई है। इस नई पहल से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों को फायदा होगा और उन्हें आयकर भरने में काफी राहत मिलेगी। इस बजट में हिमाचल की रेल परियोजनाओं को लेकर अलग से कोई बजट नहीं आया है, जिससे कुछ लोगों की उम्मीदें भी टूटी हैं। इसके बावजूद आयकर सीमा में की गई यह बड़ी राहत हर किसी के लिए ऐसी है जिसे कोई भी सोच सकता नहीं था। इस प्रकार, नए आयकर सीमा को बढ़ाने से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों को बहुत ही सकारात्मक परिणाम मिलेंगे और उन्हें आर्थिक रूप से देश के विकास में योगदान देने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

एप्पल आईफोन की बिक्री में 23 प्रतिशत का बड़ा उछाल

नई दिल्ली ।

सालाना आधार पर भारत में 2024 में एप्पल आईफोन की बिक्री में 23 प्रतिशत का जबर्दस्त उछाल दिखाई दिया। इतना ही नहीं, आईपैड की बिक्री में भी 44 प्रतिशत की मजबूत बढ़त हुई है। साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) द्वारा जानकारी में बताया गया कि 2024 में भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में एप्पल आईफोन की हिस्सेदारी बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई है। इसकी वजह स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ना और छोटे शहरों में प्रीमियमाइजेशन का बढ़ता चलन है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वीपी (इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप), प्रभु राम ने कहा, कैलेंडर वर्ष 2024 में एप्पल के आईफोन और आईपैड में दोहरे अंक में मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। इसकी वजह स्मार्टफोन में प्रीमियमाइजेशन बढ़ना है। इसके साथ ही एप्पल को घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने और रिटेल सेगमेंट के विस्तार का फायदा मिल रहा है।भारत मध्यम वर्ग तेजी से प्रीमियम डिवाइस की तरफ आकर्षित हो रहा है। इसकी वजह केवल लाइफस्टाइल में बदलाव होना ही नहीं, बल्कि एडवांस टेक्नोलॉजी को जल्द अपनाने की आकांक्षा होना भी है। उन्होंने आगे कहा, आईफोन और आईपैड की अपील एप्पल के लिए बाजार वृद्धि का एक प्रमुख चालक बनी हुई है। वर्ष 2025 और उसके बाद भी वृद्धि के लिए पर्याप्त गुंजाइश है। भारत में एप्पल के लिए अभी भी शुरुआती दिन हैं। 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एप्पल की एंट्री भारत के शीर्ष पांच मोबाइल ब्रांड में हो गई थी। राम के मुताबिक, आने वाले वर्ष में भारत में एप्पल की वृद्धि मजबूत गति के साथ जारी रहने की उम्मीद है, जो आक्रामक खुदरा विस्तार, टारगेटेड विपणन रणनीतियों और महत्वाकांक्षी भारतीय बाजार में गहरी पैठ से प्रेरित है। उन्होंने आगे बताया कि भारत में एप्पल के लेटेस्ट के साथ पुराने मॉडल्स की मजबूत मांग बनी हुई है। वॉल्यूम के हिसाब से कंपनी का मार्केट शेयर करीब 10 प्रतिशत पर पहुंच गया था। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के कारण कंपनी ने घरेलू बिक्री के साथ निर्यात में भी रिकॉर्ड बनाया है। 2024 में एप्पल इंडिया द्वारा 1.1 करोड़ से ज्यादा शिपमेंट की गई है।

कहीं महंगा तो कहीं सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

- ब्रेंट क्रूड का भाव 0.22 डॉलर गिरकर 75.67 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में एक बार फिर से क्रूड ऑयल की कीमतों में रविवार को गिरावट दर्ज की गई। इसी के साथ देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल के भाव में बदलाव देखा गया। हालांकि देश के चार प्रमुख महानगरों- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में से तीन में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वहीं वै श्विक बाजार में 2 फरवरी को डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 0.20 डॉलर गिरकर 72.53 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं जबकि ब्रेंट क्रूड का भाव 0.22 डॉलर गिरकर 75.67 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस दौरान आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 109.64 और डीजल 10 पैसे गिरकर 97.47 रुपये प्रति लीटर पर आ गया, जबकि अरुणाचल प्रदेश में तेल का भाव क्रमशः 28-26 पैसे टूटकर 90.67-80.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है। केरल में पेट्रोल की कीमत 18 पैसे टूटकर 107.30 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल का भाव 30 पैसे गिरकर 96.18 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मणिपुर में पेट्रोल 6 पैसे सस्ता होकर 99.15 और डीजल 5 पैसे गिरकर 85.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है। उधर मेघालय में पेट्रोल का भाव तीन पैसे गिरकर 96.20 और डीजल 18 पैसे सस्ता होकर 87.73 रुपये प्रति लीटर हो गया है, ओडिशा में पेट्रोल 18 पैसे सस्ता होकर 100.93 और डीजल 18 पैसे गिरकर 92.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है, पंजाब में पेट्रोल 7 पैसे गिरकर 97.47 और डीजल 7 पैसे टूटकर 87.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं तमिलनाडु में तेल का भाव क्रमशः 43-42 पैसे सस्ता होकर 100.80- 92.39 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। इसके अलावा बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में पेट्रोल और डीजल के भाव में हल्की तेजी देखी गई है।

गर्व की बात, भारत में बनी जिम्नी 5 डोर जापान में हुई लांच

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी जिम्नी 5 डोर इंडिया की दूसरी कार बन गई है, जो कि जापान में लांच हुई है। इसके पहले मारुति सुजुकी फ्रोंक्स को भी जापान में लांच किया गया था। खास बात ये है कि ये दोनों कारें मेड इन इंडिया है। यानी इनकी मैन्युफैक्चरिंग भारत में की गई है और बाद में इन्हें एक्पोर्ट करके जापान के बाजार में भेजा गया है। इसके पहले अभी तक जापान में इस सब-कॉम्पैक्ट ऑफ रोडर की 3 डोर वर्जन की ही ब्रिकी होती थी। अब जापान में भी अब 5 डोर मॉडल लांच होने के बाद वहां के बाजार में भी 5 डोर मॉडल सेल होगा। मेड इन इंडिया कारों का जापान जैसे बड़े और विकसित बाजार में लांच होना भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। लांच से पहले ही जापान में जिम्नी 5 डोर की इमेज भी ऑनलाइन लीक हो गई थी जिससे कार के लिए बज क्रिएट हो गया था। जापान में 5 डोर जिम्नी का तस्वीर सामने आने के बाद से ही बाजार में इस कार के लिए काफी एक्साइटमेंट था। जापान में इस मॉडल को सिजलिंग रेज एंड ब्लैक ड्यूल टोन पेंट स्कीम के साथ देखा गया था।

बजट के ऐलान और आरबीआई के फैसले का शेयर बाजार पर रहेगा असर

- कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक घटनाएं भी घरेलू बाजारों को कर सकती हैं प्रभावित

मुंबई ।

बीते सप्ताह 1.7 प्रतिशत चढ़े घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह के केंद्रीय बजट की घोषणाओं, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निर्णय और जनवरी के वाहन बिक्री आंकड़ों का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1315.5 अंक (1.7 प्रतिशत) की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 77505.96 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 389.95 अंक (1.7 प्रतिशत) की बढ़ोतरी लेकर 24382.15 अंक पर बंद हुआ। बीते सप्ताह शनिवार को संसद में वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट पेश किये जाने की वजह से बाजार में छह दिन कारोबार हुआ। शनिवार को बाजार का विशेष सत्र रखा गया था। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान मिडकैप 168.65 अंक अर्थात 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 42884.28 अंक पर पहुंच गया वहीं स्मॉलकैप 7.71 अंक की मामूली गिरावट लेकर 50099.80 अंक पर सपाट रहा। विश्लेषकों के अनुसार बीते शनिवार को संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पेश किए गए बजट में की गई घोषणाएं विशेष रूप से आर्थिक सुधार, बुनियादी ढांचे में निवेश और कर नीतियों से संबंधित प्रावधान इस सप्ताह बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। साथ ही आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक अगले सप्ताह 05 से 07 फरवरी को होने वाली है। नीतिगत दरों में बदलाव, विशेष रूप से ब्याज दरों में कटौती या तरलता बढ़ाने के उपाय बाजार की चाल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। इसी तरह जनवरी 2025 के वाहनों की बिक्री का भी बाजार पर असर रहेगा। इनके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की चाल, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक घटनाएं घरेलू बाजारों को प्रभावित कर सकती हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों पर निवेशकों की नजर रहेगी। हाल के महीनों में एफपीआई द्वारा बाजार से बड़े पैमाने पर पूंजी निकासी देखी गई है। हालांकि, जनवरी सीरीज के अंत में उन्होंने इंडेक्स फ्यूचर्स में अपनी शॉर्ट पोजिशन को कम किया है, जिससे उम्मीद है कि उनकी निकासी की गति धीमी हो सकती है। साथ ही इस सप्ताह डेरिवेटिव्स बाजार के संकेत का भी असर रहेगा। वित्तीय सेवाओं और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उच्च ओपन इंटरेस्ट देखा गया है, जो इन क्षेत्रों में बढ़ी हुई गतिविधि का संकेत देता है। ये दोनों क्षेत्र निफ्टी में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान करते हैं इसलिए इनकी चाल का बाजार पर महत्वपूर्ण प्रभाव होगा। इन कारकों के आधार पर इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव की संभावना है।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार गिरावट के साथ बंद

सरसों की नयी फसल की आवक के बीच उसकी कीमतों पर दबाव से सरसों तिलहन में गिरावट को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली ।

आम बजट में चिंता जताने और चीजों को बदलने के प्रयासों की घोषणा के बावजूद बीते सप्ताह बिनौला तेल को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने बताया कि इस गिरावट का मुख्य कारण सरसों की नयी फसल की आवक के बीच उसकी कीमतों पर दबाव है, जिसने सरसों तिलहन में गिरावट को बढ़ावा दिया। किसानों की सचेती और सोयाबीन के डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग प्रभावित रहने से सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम भी गिरावट के साथ बंद हो गए। इसके अलावा, बिनौला खल के दाम टूटने और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा पहले न्यूनतम समर्थन मूल्य की खरीद लागत से कम दाम पर बिनौला सीड की बिक्री करने से बाकी सभी देशी खल और डीओसी पर दबाव बढ़ गया है। । बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये गिरावट के साथ 6,050-6,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये के हानि के साथ क्रमशः 2,240-2,340 रुपये और 2,240-2,365 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,225-4,275 रुपये और 3,925-4,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 50 रुपये, 50 रुपये और 100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,200 रुपये, 13,000 रुपये और 9,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव भी 375 रुपये की गिरावट के साथ 5,300-5,625 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव भी क्रमशः 150 रुपये और 25 रुपये की गिरावट के साथ 13,950 रुपये और 2,115-2,415 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 100 रुपये टूटकर 12,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये टूटकर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये टूटकर 12,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।गिरावट के आम रुख के उलट समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 50 रुपये की तेजी के साथ 12,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

होंडा इंडिया लिमिटेड सिटी और एलिवेट की कीमतों में बढ़ोत्तरी करेगी

मुंबई । होंडा कार इंडिया लिमिटेड ने नई अमेजन की लॉचिंग के साथ अपने सब 4 मीटर गाड़ियों के पोर्टफोलियो में सुधार किया है। ऑटोमेकर्स की होंडा सिटी और एलिवेट भी बाजार में अच्छी पकड़ बनाए हुए है। लेकिन नए साल 2025 में जापानी ऑटोमेकर्स अपनी कारों की कीमत में बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। होंडा अपनी कारों की कीमत 20 हजार रुपये तक बढ़ाने वाली है। होंडा सिटी मैनुअल, ऑटोमेटिक और हाईब्रिड इन तीन ट्रांसमिशन के साथ बाजार में शामिल है। होंडा सिटी के मैनुअल वेरिएंट में आठ वेरिएंट बाजार में हैं, इसमें 20 हजार रुपये का इजाफा हुआ है। इस कार के बेस मॉडल एसवी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं हाईब्रिड के तीन मॉडल मार्केट में हैं, जिसमें केवल जेडएक्स वेरिएंट 20 हजार रुपये महंगा हुआ है। ये इस कार का टॉप वेरिएंट भी है। होंडा सिटी की एक्स-शोरूम प्राइस 11.82 लाख रुपये से शुरू होकर 20.75 लाख रुपये तक जाती है। होंडा एलिवेट मैनुअल और ऑटोमेटिक दो ट्रांसमिशन में इंडियन मार्केट में शामिल है। इस कार के मैनुअल में आठ वेरिएंट मौजूद है। होंडा की इस कार के किसी भी मैनुअल वेरिएंट की कीमत को नहीं बढ़ाया गया है। वहीं ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन के साथ इस कार में छह वेरिएंट आते हैं। होंडा एलिवेट की कीमत में बढ़ोतरी से बेस मॉडल की कीमत में इजाफा नहीं हुआ है, लेकिन इसके टॉप मॉडल की कीमत बदल गई है।

बजट 2025-26: भवन निर्माण में दाम स्थिर, घर, मकान खरीदना और बनाना सस्ता या महंगा?

- निवेशकों को बढ़िया मौके मिलेंगे, बल्कि सामान्य लोगों को भी घर खरीदने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में पेश किया गया आम बजट 2025-26 में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को तेजी से बढ़ाने के लिए घोषणाएं की हैं। लेकिन आम लोगों की मुख्य चिंता यह है कि बजट के बाद घर, मकान, दुकान और फ्लैट खरीदना और बनाना सस्ता रहेगा या महंगा। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को ध्यान में रखते हुए, बिल्डिंग से जुड़े मटेरियल पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। हालांकि, विभिन्न चीजों पर लगे टैक्स के मामले में थोड़ी चिंता है, जैसे बिजली मीटर और सोलर पैनल पर बढ़े एक्साइज और कस्टम ड्यूटी के चलते। केंद्र सरकार ने अन्य सामान और सेवाओं पर टैक्स में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जिससे घर बनाना या खरीदना अधिक महंगा हो। इससे आम जनता को हल्की सुधार देखने को मिला है। इसके साथ ही मोदी सरकार ने रियल एस्टेट सेक्टर के लिए कई घोषणाएं की हैं, जो निवेश के नए मौके प्रदान कर सकती हैं। नए टैक्स स्लैब और टैक्स मुक्ति योजनाओं से लोगों की आय में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे घर खरीदने वालों को भी लाभ हो सकता है। बजट 2025 के बाद आने वाले भवन निर्माण के काम में आने वाले सामग्रियों के दाम स्थिर रहने के अनुमान हैं, जो कुछ क्षेत्रों में हल्का बढ़ या घट सकते हैं। यहाँ तक कि बीते कुछ महीनों से उन्हें न केवल सस्ता रहता है, बल्कि दाम निर्मित भवनों में भी स्थिर रहते हैं। इस पूरे बजट के माध्यम से सरकार ने घर, मकान, दुकान और फ्लैट बनाने वाले काम में आने वाले सामग्रियों के दाम स्थिर रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं जो लोगों को सस्ते और उपलब्ध मकानों तक पहुंचने में मदद कर सकते हैं। इससे न केवल निवेशकों को बढ़िया मौके मिलेंगे, बल्कि सामान्य लोगों को भी घर खरीदने में मदद मिलेगी।

बुकिंग्स शुरू, 25 हजार का टोकन अमाउंट देकर बुक करें ई-विटारा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने बीते दिनों ऑटो एक्सपो में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार पेश की थी। तभी कंपनी ने मारुति सुजुकी ई-विटारा से पर्दा उठाया था। इसके बाद से ही ग्राहकों को इसके लांच का इंतजार है। लेकिन इस कार की अधिकारिक बुकिंग्स शुरू हो चुकी है।

25,000 रुपये का टोकन अमाउंट देकर आप अपनी कार यूनिट बुक कर सकते हैं। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि अब इसका लांच करीब है। हालांकि कंपनी ने अभी तक इस कार की कीमत की घोषणा नहीं की है। ई विटारा के लांच के बाद हमें सेम प्लेटफॉर्म पर टोयोटा की इलेक्ट्रिक कार की लॉन्चिंग भी देखने को मिलेगी जिसका नाम अर्बन क्रूजर ईवी होगा। ग्रैंड विटारा के समान, ई विटारा के तीन वेरिएंट पेश किए जा सकते हैं डेल्टा, जेटा और अल्फा है। बेस वेरिएंट में 49-किलोवॉट बैटरी पैक मिल सकता है, जबकि टॉप वेरिएंट 61-किलोवाट बैटरी पैक से लैस होगा। बड़े बैटरी पैक के साथ दावा की गई रेंज 500 किमी है।

ई विटारा के हाइ एंड बैटरी पैक में 120 लिथियम-आयन आधारित सेल शामिल हैं। इन्हें -30एडिग्री से 60एडिग्री के अत्यधिक तापमान में भी काम करने के लिए टेस्ट किया गया है। ईविटारा के बैटरी पैक एक अडवांस्ड थर्मल मैनेजमेंट सिस्टम से लैस हैं जिसमें लो-आयन कूलेंट शामिल है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ई विटारा रियल वर्ल्ड की स्थितियों के तनाव को संभाल सकती है, कंपनी ने इसे कई अलग अलग तरह की परिस्थितियों में टेस्ट किया है। मारुति ईविटारा में इको, नॉर्मल और स्पोर्ट ड्राइविंग मोड हैं। मारुति की इस इलेक्ट्रिक कार में 10.1 इंच टचस्क्रीन इंफोटेंटमेंट सिस्टम, 10.25 इंच मल्टि-इंफोर्मेशन डिस्प्ले, फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जर के साथ हरमन का साउंड सिस्टम मिलता है।

निर्मला सीतारमण के बजट के आते ही क्यों भागने लगे स्विगी-जोमैटो के शेयर

मुंबई ।

सैलरी वाला झुनझुने से निराश चल रहा था। जब नया टैक्स रिजीम आया, तब गजब कन्फ्यूजन था। शाम तक समझ आया कि नहीं ये नया टैक्स रिजीम है, इसमें कोई 80-सी, हाउस रेंट वाली छूट नहीं है। तब सारा उत्साह फुस्स हो गया। फिर धीरे-धीरे न्यू टैक्स रिजीम को चमकाने का काम शुरू हुआ। देखते ही देखते सात लाख तक की इनकम टैक्स फ्री हो गई। फिर 72 प्रतिशत टैक्स देने वाले उस ओर चले गए। शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सात लाख की लिमिट को 12 लाख कर दिया। अब 80 प्रतिशत से ज्यादा सैलरी वाले इसी में आ जाएंगे। 75000 रुपए स्टैंडर्ड डिडक्शन जोड़ने पर 12.75 लाख रुपए की सालाना इनकम टैक्स फ्री होगी। फिर हिसाब लगाया तब पता चला ओल्ड टैक्स रिजीम अभी भी फायदेमंद है। हां, नए न्यू टैक्स रिजीम में जाने पर टैक्स सेविंग की कठिन प्रक्रिया से छुटकारा मिलेगा। इसमें कोई शक नहीं कि 80 प्रतिशत टैक्स देने वाले फायदे में रहने वाले है। स्विगी-जोमैटो के शेयर इसीलिए भागे। इस लिहाज से वित्त मंत्री का आठवां बजट खपत बढ़ाने वाला है। मध्यम वर्ग का ध्यान सालों बाद रखा गया है। लेकिन वित्त मंत्री ने बुनियाद नहीं छोड़ी। मोदी सरकार अगले साल भी 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा रेल, रोड, बंदरगाह, एनर्जी जैसे सेक्टर्स पर खर्च करेगी। इनकम टैक्स छूट से एक लाख करोड़ रुपए सरकारी खजाने में कम जमा होने हैं, लेकिन सरकारी खर्चे में कोई कमी नहीं होगी। इतिहास बताता है कि टैक्स में छूट देने पर टैक्स देने वाले बढ़ते जाते हैं। इसके बाद हो सकता हैं कि अगले साल टैक्स देने वालों की संख्या 10 करोड़ पहुंच जाए।

इस बल्ले-बल्ले के बीच एक खाई बहुत चौड़ी होती हुई दिख रही है। टैक्स देने वालों और न देने वालों के बीच की। 140 करोड़ की आबादी में सिर्फ 8 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं। यानी कुल आबादी के सात प्रतिशत से भी कम लोग रिटर्न फाइल करते है। इसमें भी पांच करोड़ जीरो टैक्स देने वाले हैं। मतलब सिर्फ रिटर्न फाइल करते हैं क्योंकि ऐसा करना लोन लेने सहित कई और बातों के लिए जरूरी है।

अब एक और आंकड़ा देखिए। हमारे देश की प्रति व्यक्ति आय करीब एक लाख 72 हजार रुपए सालाना है। इसका मतलब प्रति व्यक्ति आय का सात गुना कमाने वाला भी टैक्स के दायरे से बाहर रहेगा। इसमें कोई दिक्कत नहीं है। दिक्कत टैक्स नेट से है। 12 लाख 75 हजार रुपए से ज्यादा कमाने वाले सारे लोगों को इनकम टैक्स के दायरे में लाना चाहिए।

बजट 2025: मध्यम वर्ग के लिए नया समय का आगाज़

- एक लाख करोड़ रुपये आएंगे ग्राहकों के हाथ में

नई दिल्ली ।

भारतीय वित्त मंत्रालय ने हाल ही में प्रस्तुत किए गए बजट 2025 में 12 लाख रुपये तक की सैलरी पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इसके साथ ही अधिकतम कर दर भी बढ़ा दी गई है, जिससे सेक्टर को राहत मिलेगी। आम लोगों के लिए यह बजट एक सशक्तिकरण और सुरक्षा का संकेत है। इनकम टैक्स स्लैब में हुई बदलाव से लोगों के पास उचित धनराशि बचेगी, जिससे अर्थव्यवस्था में गति और विकास को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। मिडिल क्लास के लिए यह बजट एक नए समय की शुरुआत है। सबसे अधिक प्रभावित सेक्टरों को राहत मिलने का भी आशा है, जो ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बजट से मिडिल क्लास को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनकी जीवनशैली में सुधार आएगा। इससे रिटेल सेक्टर को नई ऊर्जा का संचार होगा, जिससे उसमें वृद्धि होगी और बढ़ावा मिलेगा। अब यह देखना है कि बजट के ऐतिहासिक प्रावधान कैसे सामाजिक और आर्थिक स्थिति में बदलाव लाते हैं और देश के लोगों के जीवन में कैसे एक नया परिवर्तन लाते हैं।

पिछले एक दशक में, ब्रांडेड दैनिक जरूरतों के सामान की बिक्री ग्रामीण भारत पर अधिक निर्भर रही है। भारत के गांवों में करीब 80 करोड़ लोग रहते हैं। इनका खरीदारी व्यवहार मुख्य रूप से कृषि उत्पादन से जुड़ा हुआ है। कंपनियों के अनुसार कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये का आवंटन कई पहलों के साथ कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव के कारण लोगों के पास एक लाख करोड़ रुपये बचेंगे। यानी कह सकते हैं कि इतनी रकम उनके हाथ में होगी। इस रकम को वे टैक्सपेयर्स मार्केट में खर्च करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार जीता अंडर 19 टी20 विश्व कप

तृषा को प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज का अवार्ड

क्रालालंपुर (एजेंसी)। निकी प्रसाद की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में 9 विकेट से हराकर अंडर 19 टी20 विश्व कप खिताब जीत लिया है। ये लगातार दूसरी बार है जब भारतीय टीम ने ये खिताब जीता है। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने शेफाली वर्मा की कप्तानी में साल 2023 के पहले ही संस्करण में खिताब जीता था।

इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 82 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 83 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने 11.2 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 84 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारतीय टीम की ओर से तृषा और कमालिनी ने अच्छी शुरुआत पर कमालिनी 8 रन बनाकर आउट हुई। ऐसे में तृषा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 44 रन की पारी खेली। तृषा के अलावा सानिका चालके ने 22 गेंदों में 26 रन बनकार भारतीय टीम को जीत दिला दी।

तृषा ने फाइनल में ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन विकेट लेने के अलावा नाबाद 44 रन भी बनाए। तृषा ने इस टूर्नामेंट में एक शतक भी लगाया था।

ऐस में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज का भी अवार्ड मिला।

इससे पहले खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी फ्लॉप रही। उसका कोई भी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जेमा बोथ 16 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद सिमोन लॉरेंस भी खात खोले बिना ही परुणिका का शिकार बनी। . तीसरे नंबर पर आई डायरा रामलकन को आयुषी शुक्ला ने आउट किया। कप्तान रेनेकी भी 7 रन ही बना पायी। इस प्रकार पूरी टीम 82 रनों पर ही सिमट गयी। ऐसे में भारतीय टीम को जीत के लिए 84 रनों का लक्ष्य मिला। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से तृषा ने कुल 3 विकेट लिए। वहीं वैष्णवी , आयुषी शुक्ला और परुणिका सिसोदिया ने 2-2 विकेट लिए। शबनक शकील ने एक विकेट लिया।

इस मैच में तृषा की गेंदबाजी कमाल की रही। तृषा ने 4 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट लिए। इसमें से अंतिम दो विकेट के लगातार दो गेंदों पर गिरे। तृषा ने इस टूर्नामेंट में एक शतक लगाया था।

चैंपियंस ट्रॉफी में वरुण चक्रवर्ती के शामिल होने की उम्मीदें बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही 5 मैचों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी फिरकी ने इंग्लिश बल्लेबाजों को परेशान कर दिया और वह विकेट लेने वालों की सूची में सबसे ऊपर चल रहे हैं। चक्रवर्ती ने सीरीज के तीसरे मैच में इतिहास रचते हुए भारत और इंग्लैंड के बीच द्विपक्षीय सीरीज में 10 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड बनाया। अब तक चार मैचों में उनके नाम 12 विकेट दर्ज हो चुके हैं, और उनके द्वारा इस प्रदर्शन ने उनकी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जगह बनाने की उम्मीदों को और मजबूत किया है।

भारत की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की टीम में चार स्पिनरों को चुना गया है, जिनमें रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और रवि बिश्नोई शामिल हैं। हालांकि, यह टीम अस्थायी है और आईसीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, टीमों को 11 फरवरी तक अपनी अंतिम टीम की घोषणा करनी होगी। अगर इस समय के दौरान कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है या किसी अन्य कारण से टीम में बदलाव किया जाता है, तो वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया जा सकता है। पिछले साल 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के दौरान अक्षर पटेल को अस्थायी टीम में जगह मिली थी, लेकिन टूर्नामेंट से पहले वह चोटिल हो गए थे और उनकी जगह रविचंद्रन अश्विन को अंतिम टीम में शामिल किया गया था।

वरुण चक्रवर्ती का इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में प्रदर्शन यह साबित करता है कि वह किसी भी मौके पर खुद को साबित करने के लिए तैयार हैं। उनके द्वारा लगातार विकेट लेने की क्षमता और दबाव में ठंडा दिमाग रखने की काबिलियत को देखते हुए यह उम्मीद जताई जा रही है कि अगर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में किसी तरह का बदलाव होता है, तो वरुण को एक मौका जरूर मिलेगा। अब यह देखना होगा कि उनका यह शानदार प्रदर्शन उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में स्थान दिलाने में सफल होता है या नहीं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारत की टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा।

लियोन सबसे अधिक विकेट लेने वाले 7वें गेंदबाज बने, अश्विन को पीछे छोड़ा

गॉल । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में सात विकेट लेने के साथ ही अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। पारी और 242 रन की बड़ी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नाथन ने मैच में सात विकेट लीं और भारतीय पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लियोन के अब 546 विकेट हो गये हैं और टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में 7वें स्थान पर पहुंच गये हैं। लियोन ने हाल ही में संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के स्पिनर आर अश्विन को पीछ छोड़ा। अश्विन के 537 विकेट हैं और वह आठवें नंबर पर खिसक गये हैं। अश्विन ने गत माह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान संन्यास की घोषणा कर की थी। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट 800 श्रीलंका के मुथैय्या मुरलीधरन के नाम हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वार्न 708 विकेट लेकर दूसरे और इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन 704 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। भारत के अनिल कुंबले 619 विकेट लेकर चौथे, इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड 563 विकेट लेकर पांचवे नंबर पर हैं।

बीसीसीआई ने मंधाना को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का अवार्ड दिया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का अवार्ड सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को मिला है। मंधाना ने साल 2024 में 57.46 की औसत से 747 रन बनाए। उन्होंने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए एक कैलेंडर वर्ष में चार एकदिवसीय शतक बनाए, जो महिलाओं के खेल में एक नया रिकॉर्ड है। इस बल्लेबाज को इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वर्ष की महिला एकदिवसीय क्रिकेटर का पुरस्कार भी दिया गया था।आईसीसी के अनुसार मंधाना ने कठिन हालातों भी रन बनाए। मंधाना ने जून 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 से सीरीजी जीतने के दौरान शतक लगाए। अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उन्होंने शतक लगाया।मंधाना के नाम एक कैलेंडर वर्ष में 13 पारियों में 747 रन हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 95.15 रही है। इस वर्ष उन्होंने सौ से अधिक बार बाउंड्री भी लगाई।

बीसीसीआई ने सचिन को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक समारोह में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया है। बीसीसीआई ने सचिन को पुरस्कार देने की घोषणा अपने सोशल मीडिया अकाऊंट पर की है। बीसीसीआई की इस पोस्ट में सचिन की तस्वीर साझा करते हुए लिखा गया है कि उन्होंने क्रिकेट प्रशंसकों को जश्न मनाने का कई बार अवसर दिया। तेंदुलकर को प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए बहुत-बहुत बधाई हो। वहीं ये पुरस्कार हासिल करने के बाद सचिन ने कहा कि मैं बीसीसीआई ने हमेशा ही मेरी सहायता की है। इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाने के लिए मैं बीसीसीआई का आभारी हूं। सचिन ने 200 मैच खेलते हुए टेस्ट में 15,921 रन बनाये हैं। उकना औसतः 53.78, शतकः 51, अर्धशतकः 68 और सबसे अधिक , स्कोरः 248 रन रहा है।

वहीं एकदिवसीय क्रिकेट में सचिन के नाम 463 मैच हैं। इसमें उन्होंने 44.83 के औसत से 18,426, रन बनाये हैं। इसमें 49 शतक और 96 अर्धशतक हैं। उनका सबसे ज्यादा स्कोर 200 रन रहा है। उन्हें एक ही टी20 मैच खेलने को मिला। जिसमें उन्होंने 10.00 के औसत से 10 रन बनाये थे। वहीं प्रथम श्रेणी के 310 मैचों में उनके नाम 25,396 रन हैं।

बीसीसीआई ने बुमराह को सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर का अवार्ड दिया

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसी) ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर के अवार्ड से सम्मानित किया है। बुमराह को 2023-24 के लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष) घोषित किया गया है। बुमराह को इससे पहले

आईसीसी के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर का अवार्ड भी मिला था। उन्होंने टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके 15 विकेट और निर्णायक मैच जिताने वाले स्पैल ने भारत को 17 साल बाद टी20 विश्व कप जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे। टेस्ट में उन्होंने साल 2024 के 13 मैचों में सबसे अधिक 71 विकेट लिए थे। वहीं महान ऑलराउंडर कपिल देव ने एक कैलेंडर वर्ष में लाल गेंद क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लिए हैं। बुमराह को पाली उमरीगर पुरस्कार मिला है। उन्हें इससे पहले 2018-19 और 2021-22 सीज़न में भी ये सम्मान मिला था। बुमरहा ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे अधिक 32 विकेट लिए थे। अपने शानदार प्रदर्शन से उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी मिला था। आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर कायम बुमराह आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे।

आईएमएल में अपने-अपने देशों को प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगें युवराज, जेपी डुमिनी और उपुल तरंगा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के शानदार बल्लेबाजों में से एक युवराज सिंह, अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग (आईएमएल) के पहले सीजन में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं, जो 22 फरवरी से 16 मार्च तक होगा। युवराज 2007 में पहले आईसीसी टी20 विश्व कप में भारत की जीत के मुख्य वास्तुकारों में से एक थे, इसके दौरान उन्होंने स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2011 में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां उन्हें उनके बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब दिया था।

इस पर युवराज सिंह ने कहा, सचिन और मेरे अन्य साथियों के साथ मैदान पर उतरना गौरवशाली दिनों को फिर से जीने जैसा अनुभव होगा है। उन सभी के साथ खेलना बहुत सारी पुरानी यादें वापस लाता है। मेरे लिए, आईएमएल उस युग को श्रद्धांजलि है, जो कि भारतीय क्रिकेट को परिभाषित किया, और मैं उन सभी प्रशंसकों के लिए कुछ और अविस्मरणीय यादें बनाने का इंतजार नहीं कर सकता, जिन्होंने वर्षों से हमारा समर्थन किया है।

आईएमएल के क्रिकेट मास्टर्स परिवार में उनके साथ द.अफ्रीका के जेपी डुमिनी और श्रीलंका के उपुल तरंगा भी शामिल हैं, जो अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले है। डुमिनी अपने बेहतरीन स्ट्रोक-प्ले, दबाव में संयम और आसान ऑफ-स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर थे। 9,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन और दक्षिण अफ्रीका के टी20 कप्तान के रूप में नेतृत्व के अनुभव के साथ, डुमिनी अक्सर महत्वपूर्ण क्षणों में स्थिरता देने की शक्ति थे। डुमिनी ने कहा, 'इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के पहले सीजन में साउथ अफ्रीका मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करना एक बहुत बड़ा सम्मान है। मैं इसतरह के टूर्नामेंट में खेलने के लिए उत्सुक हूं, जिसमें खेल के महान खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है। स्टाइलिश और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले सलामी बल्लेबाज उपुल तरंगा ने श्रीलंका के लिए 9,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। उन्होंने टीम के लिए ठोस नींव रखने के लिए नई गेंद को शानदार तरीके से संभाला, अक्सर एंकर की भूमिका निभाई और आवश्यकता पड़ने पर तेजी से रन बटोरे। थरंगा ने कहा, मैं इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन सत्र में श्रीलंका मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं। आईएमएल एक शानदार टूर्नामेंट होगा, जिसमें पुराने दोस्त और प्रतिद्वंद्वी मैदान में उतरने और यादगार क्रिकेट होगा। आईएमएल 22 फरवरी, 2025 को नवी मुंबई, राजकोट और रायपुर में शुरू होने वाला है।

सालाह के दो गोल से लीवरपूल ने बोर्नेमाउथ को हराया, नॉटिंघम फॉरेस्ट 7-0 से जीता

लंदन । मोहम्मद सालाह के दो गोल की मदद से लीवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में शनिवार को यहां बोर्नेमाउथ को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त नौ अंक की कर ली। बोर्नेमाउथ के खिलाफ सालाह ने 30वें मिनट में पेनल्टी पर गोल दागने के बाद 75वें मिनट में एक और गोल किया। सालाह प्रीमियर लीग में अब 178 गोल के साथ चेल्सी के महान खिलाड़ी फ्रैंक लैम्पर्ड को पछाड़कर सर्वाधिक गोल करने वालों की सर्वकालिक सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। मिस्र के इस फॉरवर्ड ने लीवरपूल के साथ अपने संभवत- आखिरी प्रीमियर लीग अभियान में अब तक 21 गोल किए हैं। लीवरपूल के साथ उनका अनुबंध इस सत्र के अंत में समाप्त हो रहा है। यह पांचवीं बार है जब उन्होंने क्लब के लिए एक ही सत्र में 20 या उससे अधिक लीग गोल किए हैं। इस जीत के साथ लीवरपूल के 23 मैच में 56 अंक हो गए हैं। आर्सेनल की टीम 23 मैच में 47 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। इस हार के साथ बोर्नेमाउथ का प्रीमियर लीग में 11 मैच से अजेय रहने का क्रम भी थम गया। टीम 24 मैच में 40 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। अन्य मुकाबलों में नॉटिंघम फॉरेस्ट ने ब्राइटन पर 7-0 की एकतरफा जीत दर्ज की जबकि एवर्टन ने भी लीसेस्टर सिटी के खिलाफ 4-0 की आसान जीत हासिल की। न्यूकासल यूनाईटेड को फुलहम के खिलाफ 1-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि वोल्वरहैम्पटन ने एस्टन विला को 2-0 से हराया।

तृषा ने अवार्ड पिता को समर्पत किया, मिताती को आदर्श बताया

क्रालालंपुर । अंडर-19 टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में गेंद और बल्ले से ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली जी तृषा ने उन्हें मिले प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट अवार्ड को अपने पिता को समर्पित किया। साथ ही कहा कि मेरी आदर्श मिताली राज हैं। मैच के बाद तृषा ने कहा, 'मेरे लिए सब कुछ अच्छा रहे है, मैं अभी इतनी खुश हूं कि कुछ भी कह नहीं सकती हूं। साथ देने के लिए सभी का धन्यवाद। हमारी योजना हमेशा अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित करने की थी, आज भी वही किया जो सफल रही। मैं हमेशा मिताली राज को अपना आदर्श मानती हूं। मैं प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट अपने पिता को समर्पित करना चाहूंगी जो मेरे लिए यहां आये और हौंसला बढ़ाया। में अपने एक ऑलराउंडर के रूप में देखती हूं। मेरा लक्ष्य देश के लिए खेलना और अधिक से अधिक मैच जीतना है।' बता दें कि तृषा ने इस टूर्नामेंट में कुल 7 मैचों में 77.25 की औसत से 309 रन बनाए और 7 विकेट भी लिए। फाइनल मुकाबले में तृषा ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम भूमिका निभाते हुए दक्षिण अफ्रीका के 3 विकेट लेने के बाद तेजी से 44 रन बनाये।

कनकशन विवाद पर अश्विन भी बोले, पूरी तरह से क्रिकेट संबंधित गलत आकलन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 'कनकशन सब्स्टीट्यूशन' के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए इसे पूरी तरह से क्रिकेट संबंधित गलत आकलन करार दिया जिसमें मध्यम गति के गेंदबाज हर्षित राणा ने बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह ली थी। दुबे ने मैच के दौरान अर्धशतक बनाया था और भारत की पारी के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद उनके सिर पर लग गई, तब जेमी ओवरटन गेंदबाजी कर रहे थे।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने 'कनकशन प्रोटोकॉल का उपयोग करते हुए दुबे की जगह राणा को मैदान पर उतार दिया जो 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। राणा ने अपने पदार्पण मैच में 33 रन देकर तीन विकेट झटक लिए जिससे भारत ने मैच 15 रन से जीत लिया। इस तरह भारत ने एक मैच रहते ही टी20 श्रृंखला अपने नाम कर ली।

अश्विन ने 'ऐश की बात' पर कहा, 'खेल खत्म हो गया है। भारत ने घरेलू मैदान पर एक और श्रृंखला अपने नाम कर ली। टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत का सिलसिला वाकई शानदार रहा। लेकिन मेरा पहला सवाल यह है कि क्या हम भूल गए कि यह एक अंतरराष्ट्रीय मैच था या फिर हमने आईपीएल मैच खेला?' उन्होंने कहा, 'क्योंकि आज सारी चर्चा इस बात पर थी कि हर्षित राणा किस तरह शिवम दुबे के 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' बन गए? मैं समझ सकता हूं कि ऐसा पहले भी हुआ है। कैनबरा में युजवेंद्र चहल ने रविंद्र जडेजा की जगह ली।'

अश्विन ने कहा, 'आप इसे 'पोएटिक जस्टिस' बल्कि 'पोएटिक इनजस्टिस' कह सकते हैं। मुझे यह समझ में नहीं आ रहा। कम से कम पहले तो स्पिनर चहल ने स्पिनर जडेजा की जगह ली थी। यहां हर्षित राणा ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह कैसे ले सकते हैं।' 'कनकशन प्रोटोकॉल' के अंतर्गत एक खिलाड़ी की जगह उसकी तरह के खिलाड़ी को ही शामिल करने की अनुमति है और राणा तो एक तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने मध्यम गति के गेंदबाज दुबे की जगह ली जिन्हें आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 'इम्पैक्ट खिलाड़ी' के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर इस फैसले से नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि उनकी टीम से सलाह नहीं ली गई और वह मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ से स्पष्टता मांगेंगे कि कनकशन के मामलों में समान प्रतिस्थापन क्या होता है। अश्विन का मानना है कि दुबे के लिए समान प्रतिस्थापन खिलाड़ी के लिए रमनदीप सिंह अधिक उपयुक्त होते। उन्होंने कहा, 'भारतीय या इंग्लैंड टीम की इसमें कोई भूमिका नहीं है। अगर टीम में कोई नहीं है तो आप कह सकते हैं कि हर्षित राणा थोड़ी बल्लेबाजी कर

सकता है और शिवम दुबे थोड़ी गेंदबाजी कर सकता है इसलिए हमने उसे शामिल किया। पर समान प्रतिस्थापन खिलाड़ी रमनदीप सिंह बाहर बैठे थे। मुझे समझ में नहीं आ रहा।'

उन्होंने कहा, 'यह पूरी तरह से क्रिकेट की गलत गणना का मामला है। भले ही यह अंपायरों की ओर से हो या मैच रेफरी की ओर से या जो भी हो। रमनदीप सिंह वहां मौजूद थे। वह एक बल्लेबाज है जो शिवम दुबे की तरह ही थोड़ी बहुत गेंदबाजी कर सकता है। लेकिन उन्हें नहीं शामिल किया गया। हर्षित राणा को चुना गया था। मुझे लगता है कि प्रभारी लोगों को इस पर गौर करना चाहिए। आज इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा हुआ जिसे नुकसान हुआ, पर किसी दिन भारत के साथ भी ऐसा हो सकता है।' भारत रविवार को अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड से भिड़ेगा।

हिना पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम की मैनेजर बनने वाली पहली महिला बनीं

लाहौर। महिला पुलिस अधिकारी हिना मुनव्वर को पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम का ऑपरेशंस मैनेजर बनाया गया है। हिना पहली महिला हैं जो पुरुष टीम की मैनेजर बनी हैं। उन्हें इसलिए नियुक्ति किस गया है जिससे कि टीम का संचालन सही तरीके से हो सके। हिना ने पहले भी कई अहम सुरक्षा भूमिकाएं निभाई हैं। हिना एक पुलिस अधिकारी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास में ये पहला मौका है, जब किसी महिला को पुरुष टीम के मैनेजर की जिम्मेदारी सौंपी गई हो। हिना संवेदनशील और जोखिम भरे स्वात क्षेत्र में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी में रही हैं। हिना 8 फरवरी से पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज से अपनी जिम्मेदार संभालेंगी। हिना पहले भी कई कानून प्रवर्तन और सुरक्षा भूमिकाओं में अपनी जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने कहा, उनकी नियुक्ति का उद्देश्य टीम के भीतर और खिलाड़ियों और बोर्ड के बीच संचालन को सुव्यवस्थित करना है, क्योंकि उन्होंने रणनीतिक और नेतृत्वकारी भूमिकाओं में काम किया है, जिससे विभिन्न संचालन को सुव्यवस्थित करने में मदद मिली है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, हिना को प्रतिनियुक्ति पर बोर्ड में लाए थे, क्योंकि वह पाकिस्तान की पुलिस सेवा का हिस्सा बनी हुई हैं।

घर में सुख-शांति और सकारात्मकता के लिए रखें भगवान हनुमान की खास तस्वीरें !

हमारे घरों में सकारात्मक ऊर्जा और शांति बनाए रखने के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं। इन्हीं उपायों में भगवान हनुमान जी की तस्वीरें भी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। हनुमान जी को संकटमोचक कहा जाता है, और उनकी पूजा से न केवल कठिनाइयों का नाश होता है, बल्कि घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मकता भी बनी रहती है।

मानसिक शांति और क्रोध पर नियंत्रण के लिए

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में मानसिक शांति बनी रहे और घर के सदस्यों का क्रोध नियंत्रण में रहे, तो हनुमान जी की ध्यान मुद्रा वाली तस्वीर घर के उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं। हनुमान जी की इस तस्वीर को देखकर मन शांत होता है और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। ध्यान मुद्रा में हनुमान जी का चित्र आत्मसंयम और शांति का प्रतीक है। यह चित्र आपको धैर्यवान और शांतचित्त रहने में मदद करता है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए

अगर घर के सदस्यों को बार-बार स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो हनुमान जी की वह तस्वीर लगाएं जिसमें वे संजयवनी बूटी ले जाते हुए दिखाई देते हैं। यह तस्वीर भी घर की उत्तर-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। यह न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को भी दूर करती है। यह चित्र स्वस्थ जीवन और बल का प्रतीक है।

बुरी शक्तियों और नकारात्मक ऊर्जा से बचाव के लिए

अगर आप अपने घर को नकारात्मक ऊर्जा और बुरी शक्तियों से बचाना चाहते हैं, तो पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाएं। पंचमुखी हनुमान जी की यह तस्वीर सुरक्षा और शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इसे घर में लगाने से घर पर कोई भी नकारात्मक शक्ति प्रभाव नहीं डालती और घर का हर सदस्य सुरक्षित महसूस करता है। यह चित्र शत्रुओं से बचाने और जीवन में साहस बनाए रखने में भी मदद करता है।

धन और समृद्धि के लिए

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में धन और समृद्धि बनी रहे, तो सूर्य देव को प्रणाम करते हुए हनुमान जी की तस्वीर घर के दक्षिण दिशा में लगाएं। सूर्य देव को प्रणाम करते हुए हनुमान जी की तस्वीर से घर में धन का प्रवाह बना रहता है और सभी कार्यों में सफलता मिलती है। यह तस्वीर जीवन में प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

तस्वीरें लगाने में ध्यान रखने योग्य बातें

1. तस्वीर को साफ-सुथरी जगह पर लगाएं और उसके आस-पास गंदगी न रखें।
2. हनुमान जी की तस्वीर को रोजाना प्रणाम करें और अगर संभव हो तो दीपक जलाएं।
3. तस्वीर को हमेशा सकारात्मक भावना और श्रद्धा के साथ लगाएं।
4. तस्वीर को ऐसी जगह पर लगाएं जहां हर कोई आसानी से देख सके और वह दिशा वास्तु के अनुसार सही हो।

भगवान हनुमान की तस्वीरें केवल धार्मिक महत्व ही नहीं रखतीं, बल्कि वास्तु और सकारात्मक ऊर्जा के दृष्टिकोण से भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप इन तस्वीरों को सही दिशा और सही भावना के साथ अपने घर में लगाते हैं, तो यह आपके जीवन में सुख-शांति, स्वास्थ्य, समृद्धि और सुरक्षा लाने में मददगार साबित होगी।

सीढ़ियों के नीचे की जगह का करें स्मार्ट इस्तेमाल

इंटीरियर डिज़ाइनर के खास टिप्स

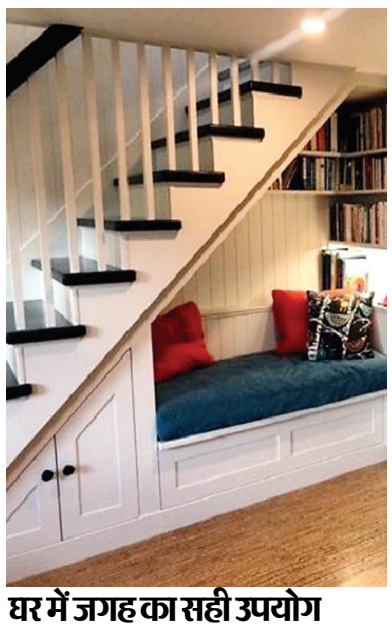

घर में जगह का सही उपयोग करना हर इंटीरियर डिज़ाइनर की प्राथमिकता होती है। अक्सर घरों में सीढ़ियों के नीचे की जगह खाली पड़ी रहती है, जिसे कई लोग नज़रअंदाज कर देते हैं। लेकिन, यह जगह न केवल आपकी जरूरतों को पूरा करने का, बल्कि आपके घर को और आकर्षक बनाने का मौका भी देती है। अगर आप भी अपने घर की सीढ़ियों के नीचे के कोने को उपयोगी और स्टाइलिश बनाना चाहते हैं, तो ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं।

स्टोरेज एरिया बनाएं

सीढ़ियों के नीचे स्टोरेज एरिया बनाना सबसे आम और उपयोगी विकल्प है। आप इस जगह पर अलमारियां या कैबिनेट्स डिज़ाइन करवा सकते हैं। यह जगह जूतों, किताबों, या अन्य सामान को व्यवस्थित रखने के लिए परफेक्ट है। स्लाइडिंग दरवाजों के साथ मॉड्यूलर स्टोरेज डिज़ाइन इसे और भी फंक्शनल बना सकता है।

मिनी लाइब्रेरी या बुकशेल्फ का सेटअप करें

अगर आप किताबों के शौकीन हैं, तो सीढ़ियों के नीचे की जगह को मिनी लाइब्रेरी में बदल सकते हैं। दीवार पर फिटेड बुकशेल्फ डिज़ाइन करवाकर आप न केवल अपने घर को स्टाइलिश बना सकते हैं, बल्कि किताबों को व्यवस्थित रखने का बेहतरीन समाधान भी पा सकते हैं।

वर्कस्पेस या होम ऑफिस

आज के समय में वर्क फ्रॉम होम आम हो गया है। सीढ़ियों के नीचे का कोना एक कॉम्पैक्ट होम ऑफिस के लिए एकदम सही हो सकता है। यहां एक टेबल, कुर्सी और कुछ शेल्फ लगाकर आप इसे एक कार्यक्षेत्र में बदल सकते हैं। अच्छी रोशनी और दीवारों पर पिनबोर्ड या सजावट से इसे और भी आकर्षक बनाएं।

रीडिंग नूक (आरामदायक कोना)

आराम से बैठकर पढ़ने या चाय का आनंद लेने के लिए सीढ़ियों के नीचे एक छोटा सा रीडिंग नूक बनाया जा सकता है। इसके लिए एक छोटा सोफा, कुशन और साइड टेबल काफी होंगे। यह जगह परिवार और दोस्तों के लिए भी आरामदायक बन सकती है।

मिनी गार्डन या प्लांट डिस्प्ले

अगर आप हरियाली पसंद करते हैं, तो सीढ़ियों के नीचे की जगह को मिनी गार्डन में बदल सकते हैं। यहां छोटे गमले, सुकुलेंट्स और दीवार पर हैंगिंग प्लांट्स लगाकर इसे एक आकर्षक ग्रीन स्पेस में तब्दील करें। सही लाइटिंग और वॉटरप्रूफिंग का ध्यान रखें।

बच्चों के खेलने की जगह

सीढ़ियों के नीचे बच्चों के लिए एक छोटा प्ले जोन डिज़ाइन किया जा सकता है। यहां कुशन, खिलौनों के बॉक्स और दीवार पर सजावटी पेंटिंग्स से इसे उनके लिए मज़ेदार और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

पालतू जानवरों के लिए कोना

अगर आपके पास पालतू जानवर हैं, तो सीढ़ियों के नीचे का स्पेस उनके लिए एक आरामदायक कोना बन सकता है। यहां उनका बिस्तर, खाने के बर्तन और खिलौने रखे जा सकते हैं। यह उन्हें उनकी खुद की एक जगह देने का शानदार तरीका है।

वाइन स्टोरेज या बार काउंटर

अगर आप वाइन कलेक्टर हैं या दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करते हैं, तो सीढ़ियों के नीचे वाइन स्टोरेज या मिनी बार काउंटर डिज़ाइन कर सकते हैं। यहां एक स्टाइलिश कैबिनेट और काउंटर लगाकर इसे एक आकर्षक एंटरटेनमेंट स्पेस बनाया जा सकता है।

डिस्प्ले यूनिट या गैलरी

सीढ़ियों के नीचे एक डिस्प्ले यूनिट बनाकर आप अपने घर की खासियत को बढ़ा सकते हैं। इसमें आर्ट पीस, पारिवारिक तस्वीरें या सजावटी सामान रख सकते हैं। सही लाइटिंग के साथ यह कोना आपके मेहमानों का ध्यान खींचने वाला बन जाएगा।

छोटे गेस्ट रूम का विकल्प

अगर आपके घर में जगह की कमी है, तो सीढ़ियों के नीचे एक छोटे गेस्ट रूम का सेटअप किया जा सकता है। यहां एक सिंगल बेड और कुछ ज़रूरी फर्नीचर रखकर इसे आरामदायक बनाया जा सकता है।

सीढ़ियों के नीचे की जगह को सही तरीके से उपयोग करके आप न केवल अपने घर को व्यवस्थित रख सकते हैं, बल्कि इसे एक नया और आकर्षक रूप भी दे सकते हैं। चाहे स्टोरेज हो, रीडिंग नूक, मिनी गार्डन या होम ऑफिस, आपके घर की इस अनदेखी जगह को स्मार्ट डिज़ाइन से काम में लाने के ढेरों विकल्प हैं। एक इंटीरियर डिज़ाइनर के रूप में मेरा मानना है कि हर इंच का सही उपयोग करना न केवल व्यावहारिक है, बल्कि आपके घर की सुंदरता और आरामदायकता को भी बढ़ाता है।

तो अगली बार अपने घर को डिज़ाइन करते समय सीढ़ियों के नीचे की जगह को भी एक नई पहचान दें!

1. स्टोरेज एरिया बनाएं

- एक स्मार्टली डिजाइन किया हुआ मॉड्यूलर स्टोरेज, जिसमें स्लाइडिंग दरवाजे हैं।
- दिखाएं कि जूतों और किताबों के लिए अलग-अलग खांचे किस तरह उपयोग किए जा सकते हैं।

2. मिनी लाइब्रेरी या बुकशेल्फ

- दीवार पर फिटेड बुकशेल्फ के साथ एक स्लीक डिज़ाइन।
- किताबों के साथ कुछ डेकोरेटिव आइटम्स, जैसे छोटे प्लांट्स या फोटो फ्रेम।

3. वर्कस्पेस या होम ऑफिस

- एक कॉम्पैक्ट टेबल और कुर्सी के साथ वॉल-माउंटेड शेल्फ।
- लैपटॉप, पिनबोर्ड, और सुंदर वॉल डेकोर के साथ वर्कस्पेस का सेटअप।

4. रीडिंग नूक (आरामदायक कोना)

- एक छोटी बेंच या सोफा, जिसमें कुशन और साइड में लैंप रखा हो।
- आरामदायक सेटअप, जिसमें किताबें और एक कॉफी मग रखा हो।

5. मिनी गार्डन या प्लांट डिस्प्ले

- सीढ़ियों के नीचे छोटे गमले, सुकुलेंट्स और हैंगिंग प्लांट्स का डिस्प्ले।
- वुडन पैनल्स और लाइटिंग के साथ ग्रीनरी को सजाते हुए।

6. बच्चों के खेलने की जगह

- छोटे कुशन, खिलौनों का बॉक्स और रंग-बिरंगी दीवारें।
- बच्चों के खेलने के लिए एक मस्तीभरा कोना।

7. पालतू जानवरों के लिए कोना

- सीढ़ियों के नीचे पालतू जानवरों का बिस्तर और उनके खाने-पीने की चीजें व्यवस्थित तरीके से।
- उनकी पसंदीदा चीजों जैसे खिलौनों और चबाने वाली हड्डियों को भी शामिल करें।

8. वाइन स्टोरेज या बार काउंटर

- स्टाइलिश वाइन रैक और बार काउंटर।
- ग्लास होल्डर्स और बैकलिट लाइटिंग के साथ एलिगेंट लुक।

ये भी पढ़ें- ङ्खड्डह्यह्लद्ध अद्धश्चह्य- घर में इन जगहों पर भूलकर भी न रखें पैसे, हो सकती है धन हानि

9. डिस्प्ले यूनिट या गैलरी

- आर्ट पीस और तस्वीरों के साथ वॉल-माउंटेड डिस्प्ले यूनिट।
- स्पॉटलाइट्स के साथ हर डिस्प्ले को हाइलाइट करते हुए।

10. छोटे गेस्ट रूम का विकल्प

- सिंगल बेड और वॉल-माउंटेड फर्नीचर के साथ एक कॉम्पैक्ट गेस्ट रूम।
- हल्के रंगों और अच्छे लाइटिंग से इसे अधिक खुला और आरामदायक दिखाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कश्मीर में ऊंची इमारतों के निर्माण का विरोध

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर देश का सबसे उच्च भूकंप जोखिम वाला क्षेत्र है। राज्य सरकार पांच मंजिल तक का भवन बनाने की अनुमति देने का संशोधन करने जा रही है। इसका जम्मू कश्मीर में बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया है। अभी जम्मू कश्मीर में तीन मंजिल से ज्यादा कोई भवन नहीं बनाया जा सकता है। नेशनल कांफ्रेंस की सरकार इस नियम को बदलने की तैयारी कर रही है।सरकार ने फ्लोर एरिया रेशियो पर लगी प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। इसका बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया है। कश्मीर घाटी के पर्यावरण विद्, वास्तुकार,सामाजिक संस्थाएं,विपक्ष सभी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वालों का कहना है, कश्मीर की भौगोलिक स्थिति ज्यादा भार वहन करने के लायक नहीं है। सरकार इस प्रस्ताव को रद्द करे।घाटी में यदि पांच मंजिला भवनों का निर्माण होगा, तो घाटी में तबाही आ सकती है।

पटना में पुलिस ने अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाया छापेमारी अभियान

- मुर्गी फार्म से 3 राइफल, 24 जिंदा कारतूस, 1 हैंड ग्रेनेड और 2 किलो गांजा बरामद

पटना। पुलिस ने अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मनेर थाना क्षेत्र के व्यापुर बगीचा स्थित मुर्गी फार्म में छिपे थे अवैध हथियारों और नशीले पदार्थ। पुलिस टीम द्वारा की गई छापेमारी में 3 राइफल, 24 जिंदा कारतूस, 1 हैंड ग्रेनेड और 2 किलो गांजा बरामद किया गया। इस कार्रवाई से अवैध गतिविधियों के नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मनेर थाना क्षेत्र के व्यापुर बगीचा स्थित एक मुर्गी फार्म में भारी मात्रा में अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों का जखीरा छिपाया गया है। इस सूचना के आधार पर दानापुर एसडीपीओ-2 पंकज मिश्रा के नेतृत्व में मनेर थाना पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। इस छापेमारी के दौरान कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन हथियारों और नशीले पदार्थों को कहां से लाया गया। खासतौर पर हैंड ग्रेनेड जैसा हथियार इनके पास कैसे पहुंच गया। साथ ही पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन सबका इस्तेमाल किस लिए किया जाना था। पटना सिटी एसपी (पश्चिमी) ने बताया कि पटना पुलिस लगातार अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चला रही है और इसी कड़ी में मनेर थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस जल्द ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करेगी और नेटवर्क के बाकी अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। पटना और उसके आसपास के इलाकों में अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। शराबबंदी के बाद से ही बिहार में सूखे नशे के सप्लायरों ने अलग नेटवर्क ही खड़ा कर दिया है। लेकिन अब नशे के सामान के साथ हथियार और खासतौर पर हैंड ग्रेनेड मिलने से पुलिस के भी कान खड़े हो गए हैं। जल्द ही इस मामले में और खुलासे होने की उम्मीद है।

कोहरे की वजह से कोलकाता हवाई अड्डे पर 13 उड़ानें प्रभावित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को कोहरे और खराब दृश्यता के कारण कुल 13 उड़ानें प्रभावित हुईं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के निदेशक प्रवत रंजन बेउरिया ने बताया कि कोहरे के कारण कम से कम दो उड़ानों के आगमन और 11 अन्य के प्रस्थान में देरी हुई। उन्होंने बताया कि कोहरे के कारण रविवार सुबह हवाई अड्डे पर कम दृश्यता प्रक्रिया (एलवीपी) लागू की गई थी। कोलकाता में तैनात भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि विमान यातायात नियंत्रक (एटीसी) एलवीपी की घोषणा तब करता है, जब दृश्यता 800 मीटर से कम हो जाती है, जिसके बाद 'फॉलो-मी वाहन' विमानों को उनके स्टैंड तक ले जाते हैं। एलवीपी तब भी लागू की जाती है, जब बादल की ऊंचाई 200 फीट से नीचे होती है।

बजट का असर : 21 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली। कॉर्पोरेट मंत्रालय प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का पायलट प्रोजेक्ट चला रहा है, जिसका उद्देश्य 2024-25 में 1.25 लाख इंटर्नशिप अवसर प्रदान करना है। इसके लिए 840 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। अब तक कंपनियों द्वारा 1.27 लाख इंटर्नशिप अवसर पोस्ट किए गए हैं और इसके लिए लगभग 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। केंद्र सरकार ने 2025-26 के बजट में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत 21 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा है। ये नौकरियां मछली पालन, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र उद्योग, और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण जैसे क्षेत्रों में उत्पन्न होंगी। आपको बता दें कि यह आंकड़ा पिछले साल जुलाई में प्रस्तुत किए गए बजट के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत सरकार का लक्ष्य है कि 61 लाख से अधिक कारीगर, जिनमें महिलाएं और एससी, एसटी, ओबीसी समुदायों के लोग शामिल हैं, आत्म-रोजगार प्राप्त करें।बजट दस्तावेज के अनुसार, सबसे अधिक रोजगार सृजन का लक्ष्य प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के लिए है, जिसका उद्देश्य 11 लाख लोगों को रोजगार देना है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के लिए रोजगार सृजन का लक्ष्य 2024-25 में भी ठीक यही था। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम इस सूची में दूसरे नंबर पर है, जिसका उद्देश्य 5.8 लाख रोजगार अवसर उत्पन्न करना है। अगस्त 2008 में लॉन्च किया गया यह कार्यक्रम एक क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी योजना है, जिसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा संचालित किया जाता है।वस्त्र उद्योग के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के तहत बजट में 35,000 से अधिक रोजगार उत्पन्न करने का लक्ष्य रखा गया है। संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना के तहत सरकार 30,000 रोजगार उत्पन्न करने का लक्ष्य रख रही है। यह योजना 2012 में इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन और निर्माण उद्योगों में निवेश आकर्षित करने और विकलांगता को दूर करने के लिए शुरू की गई थी।

लोगों को नहीं मिल रहीं सुविधाएं, विदेशी यात्राओं में दिल्ली के बारे में बताने में आती है शर्म

-विदेश मंत्री जयशंकर ने चुनावी रैली में आप सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव में अब कुछ दिन शेष रह गए हैं इसको लेकर चुनाव प्रचार तेज़ हो गया है। इसी कड़ी में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विदेश दौरों में उन्हें यह छुपाना पड़ता है कि देश की राजधानी दिल्ली में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। जयशंकर ने दिल्ली की आप सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अपनी विदेश यात्राओं के दौरान उन्हें यह बताने में शर्म महसूस होती है कि दिल्ली के लोगों को घर नहीं मिलते, सिलेंडर नहीं मिलते, या पानी नहीं मिलता है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दक्षिण भारतीय लोगों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि पिछले एक दशक में अरविंद केजरीवाल की सरकार दिल्ली विकास की दौड़ में पीछे छूट गई है।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछले 10 सालों में दिल्ली में विकास नहीं हुआ है। दिल्ली के नागरिकों को उनके बुनियादी अधिकार- पानी, बिजली, गैस, सिलेंडर, और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। अगर आप सरकार लोगों को उनका हक नहीं देती, तो 5 फरवरी को इस सरकार को बदलने पर विचार करें।

इससे पहले जयशंकर ने एक कार्यक्रम में युवाओं से सही चुनाव करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं के बिना 'विकसित भारत' संभव नहीं है। दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते देश के विकास की छवि को दर्शाती है। जब विदेशी लोग दिल्ली आते हैं, तो जो कुछ वे यहां देखते हैं, उससे भारत की छवि बनती है। उन्होंने दिल्ली में बुनियादी सुविधाओं की कमी पर भी चिंता जताई और कहा कि पिछले पांच सालों में मैंने कई समस्याएं देखी हैं। अवैध कॉलोनियों में सड़कें नहीं हैं, नियमित पानी की आपूर्ति नहीं है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 5 फरवरी को मतदान होना हैं, जिसमें आप सरकार को बीजेपी की कड़ी चुनौती मिल रही है। इस चुनाव में बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल की आप सरकार को हटाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है, वहीं आम आदमी पार्टी अपनी 10 साल की उपलब्धियों को गिनाकर सत्ता में वापसी की कोशिश में है। ऐसे में 8 फरवरी को आने वाले परिणाम से ही साफ हो जाएगा कि आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करती है, या फिर बीजेपी तख्तापलट करने में कामयाब होती है।

सरकार सख्त कदम उठाये, ताकि ऐसी घटना फिर न हो : दलित युवती प्रकरण पर मायावती ने कहा

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अयोध्या में दलित युवती की नृशंस हत्या का मामला उठाते हुए अपील की है कि सरकार सख्त कदम उठाये, ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। मायावती ने रविवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'उत्तर प्रदेश में अयोध्या जिले के सहनवां में दलित परिवार की बेटी का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला है। उसकी दोनों आंखें फोड़ दी गई हैं तथा अमानवीय व्यवहार भी हुआ है।' मायावती ने कहा, 'यह बेहद दु:खद एवं अति गम्भीर मामला है। सरकार सख्त कदम उठाये, ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो।' इसके पहले शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर लिखा था, 'बेहद दु:खद खबर है कि अयोध्या के ग्रामसभा सहनवां (सरदार पटेल वार्ड) में तीन दिन से गायब दलित परिवार की बेटी का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला है। उसकी दोनों आंखें फोड़ दी गई हैं। उसके साथ अमानवीय व्यवहार हुआ है।' यादव ने कहा था, 'प्रशासन ने तीन दिन पहले ही अगर परिवार की सूचना पर ध्यान दिया होता तो बच्ची की जान बचायी जा सकती थी।' सपा प्रमुख ने इसी पोस्ट में मांग की थी, 'हम उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करते है कि जो दोषी हैं और जिन पुलिसकर्मियों ने इस मामले में लापरवाही बरती है, उन सबके ख़िलाफ़कठोरतम कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को तत्काल एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।'

4 मई को खुलेंगे बद्रीनाथ के कपाट, डिमरी पुजारी गाडू घड़ा लेकर ऋषिकेश पहुंचे

-धार्मिक मान्यता है वसंत पंचमी के दिन होती है कपाल खुलने की तिथि तय

ऋषिकेश (एजेंसी)। भगवान बद्रीधाम के कपाट खुलने की तारीख तय हो गई। डिमरी पुजारी गाडू घड़ा लेकर ऋषिकेश पहुंचे। रविवार को टिहरी जिले के नरेंद्रनगर राजमहल में गाडू घड़ा पहुंचेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार वसंत पंचमी के दिन बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की जाती है। इस दिन तेल पिरोने की तिथि भी तय होती है। उसके बाद तेल को गाडू घड़े में भरा जाएगा। तब तक गाडू घड़ा राजमहल में ही रहेगा।

इस यात्रा वर्ष में बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को सुबह छह बजे खुलेंगे। नरेंद्र नगर, टिहरी स्थित राजमहल में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर आयोजित सादे धार्मिक कार्यक्रम में राज परिवार, श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति, श्री डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत की उपस्थिति में धर्माचार्यों ने पंचाग गणना के

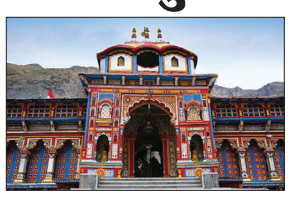

मुताबिक श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की। वहीं 22 अप्रैल को गाडू घड़ा के लिए तिलों से तेल पिरोने की तिथि भी तय की गई है।

बता दें कि बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से होती है। शनिवार को डिमरी पुजारियों के गांव डिम्मर में लक्ष्मी नारायण मंदिर से पूजा अर्चना और बाल भोग के बाद गाडू घड़ा को ऋषिकेश के लिए रवाना किया गया। देर शाम तीर्थनगरी में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के विश्राम गृह में गाडू घड़ा यात्रा यहां पहुंची। शाम को डिमरी पुजारियों ने परंपरा के मुताबिक विश्राम गृह में आरती की। पुजारी शैलेंद्र प्रसाद डिमरी, नरेश डिमरी, हरीश डिमरी, अरविंद डिमरी गाडू घड़ा यात्रा के साथ पहुंचे।

मौसम फिर लेगा करवट: पहाड़ों पर बर्फबारी और उत्तर भारत के कई राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली(एजेंसी)। मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। बदलाव की आहट से जहां पहाड़ों पर बर्फबारी होगी वहीं पंजाब से बिहार तक झमाझम बारिश होने का अनुमान है। इसी के चलते दिल्ली-एनसीआर से लेकर पूरे उत्तर भारत के मैदानी भाग के मौसम का मिजाज बदला हुआ है। पूर्वी यूपी, बिहार और झारखंड में ठंड के साथ कोहरे का असर दिख रहा है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में पारा चढ़ा हुआ है, लेकिन रात के समय पारा गिर रहा है। दिल्ली के कई इलाकों में होमलेस लोगों को शेल्टर होम में शरण लेना पड़ रहा है।

उत्तर भारत में ठंड का असर कम हो रहा है। अगर उत्तर भारत के मौसम प्रणालियों को समझें तो गांव वाले इलाकों में रात और सुबह के समय काफी ठंड का एहसास अभी है, मगर दिन के समय खिलखिलाती धूप से गर्मी का एहसास हो रहा है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार मौसम की ऐसी ही प्रणालियां चल रही हैं। मौसम विभाग ने इन राज्यों के कई इलाकों खासकर के यूपी के कई जिलों के लिए कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि

आने वाले 24 घंटे में बारिश होने के बाद से मौसम में बदलाव की संभावना है।पहाड़ों पर लगातार बारिश के साथ जमकर बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने बताया कि लगातार बर्फबारी और बारिश से शुष्कता खत्म हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश से कश्मीर घाटी में लंबे समय से जारी शुष्क मौसम का दौर खत्म हो गया। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में और अधिक वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। बारामूला, बांदीपोरा, कुपवाड़ा और सोनमर्ग जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है। श्रीनगर और आसपास के इलाकों में कल शाम से रुक-रुककर बारिश जारी है। बारिश के कारण शुक्रवार को अधिकतम तापमान में कुछ गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग की मानें तो न्यूनतम तापमान समान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज हो रहा है। वहीं, पंजाब-हरियाणा के कुछ इलाकों में शनिवार को बारिश के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई, मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर भी अगले तीन दिन तक बारिश की संभावना है।मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में चढ़ रहा पारा थमने वाला है। आज यानी कि रविवार को एक पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है, जिसकी वजह से अगले 24 घंटे में दिल्ली में झमाझम बारिश होगी। वहीं, सोमवार को एक दूसरा और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ की वजह से दिल्ली एनसीआर भारी बारिश की संभावना है। अगले दिनों तक दिल्ली में तापमान बढ़ा हुआ रहेगा, लेकिन बारिश हो जाने के बाद ठंड का एहसास बढ़ने और पारा गिरने की संभावना रहेगी। मौसम विभाग ने बताया कि आज से दिल्ली के आसमानों में बारिश छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि शनिवार को न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, आज भी बढ़े रहने की संभावना है।

महाकुंभ आए कैमरामैन को भारत आने पर पता चला महान क्यों कहलाता है

प्रयागराज (एजेंसी)। कुछ दिनों पहले एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक विदेशी शख्स भंडारे से मिला खाना बड़े चाव से खाता दिखता है और लोग उसे हैरी पॉटर की संज्ञा देते हुए प्रचारित करना शुरू कर देते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में हैरी पॉटर फेम यह शख्स कोई और नहीं, इटली के निकोलो ब्रुग्नारा हैं। महाकुंभ में मिल रहे फेम का आनंद लेते हुए निकोलो महाकुंभ, यूरोप, भारत, योग और योगी सरकार के बारे में भी कई बातें बताते हुए मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं। निकोलो इटली के कैमरामैन महाकुंभ मेला कवर करने आए हैं और यहां महाकुंभ पर बन रही एक डॉक्यूमेंट्री का भी हिस्सा हैं।

वह आए तो थे महाकुंभ की खबरें कवर करने, तस्वीरें खींचने, मगर अब खुद खबर बन गए हैं और इसका कारण सोशल मीडिया से मिल रही लोकप्रियता है। लोग उनके साथ सेल्फी लेने, रील्स बनाने और इंटरैक्ट करने को बेताब हैं और निकोलो ने खुद कभी नहीं सोचा था कि अपने देश से दूर वह इस तरह फेमस हो जाएंगे। निकोलो एक कुशल कैमरामैन हैं और वह महाकुंभ यह सोचकर आए थे कि उनकी खींची तस्वीरें उन्हें प्रसिद्धि दिलाएंगी। मगर, महाकुंभ में मिल रही पॉपुलैरिटी को चमत्कार

मानते हुए निकोलो का कहना है कि उन्होंने कभी इस तरह लोगों के आकर्षण का केंद्र बनने की बात नहीं सोची थी। उनके अनुसार, लोगों से मिल रहा प्यार अभिभूत कर देने वाला है। उन्होंने किस्से-कहानियों में सुना था कि भारत चमत्कार का देश है और अब एक चमत्कार ने ही उनकी जिंदगी बदलकर रख दी है।

निकोलो ब्रुग्नारा खुद को बेहद भाग्यशाली मानते हैं कि इटली से वह महाकुंभ की कवरेज करने आए। उनके अनुसार, एक सीमित क्षेत्र में करोड़ों लोगों का यूं जुटना, स्नान-पूजन, ध्यान करना और छिटपुट घटनाओं के इतर इतने समायोजित तरीके से पूरी प्रक्रिया का प्रबंधित होना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। उनके अनुसार, भारत की महानता इसी बात में है कि यह सबको बड़े प्यार से अपना अंग बना लेता है। यहां करोड़ों लोग जिस प्रकार स्वयं जुटकर शांतिपूर्वक पूजा-आराधना कर रहे हैं, यह अकल्पनीय दृश्य है। उनका मानना है कि यूरोप में तो इस तरह के दृश्य के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है, क्योंकि आबादी के साथ ही व्यवहार के लिहाज से भी यूरोपीय देशों के लिए इतने विशाल जनसमुद्र को समायोजित करना असंभव है।

निकोलो को इस बात पर आश्चर्य है कि उन्होंने तो कभी खुद की तुलना हैरी पॉटर का किरदार निभाने वाले एक्टर डैनियल रैडक्लिफ से नहीं की। उनके अनुसार, डैनियल से कहीं ज्यादा सुंदर तो वह खुद हैं, मगर सोशल मीडिया पर भंडारे का खाना खाते किसी शख्स ने उनका वीडियो वायरल कर दिया और तभी से वह हैरी बनकर महाकुंभ में जादूगरी के मिथकीय विश्वविद्यालय हॉगवर्ड्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

निकोलो ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर डबल इंजन की सरकार, विशेषकर योगी सरकार के साथ ही स्थानीय मेला प्रशासन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह खुद योग प्रैक्टिशनर हैं और उन्हें पता है कि योग की शक्ति से क्या कुछ नहीं हो सकता। सीएम योगी की कार्यप्रणाली से प्रभावित दिखे निकोलो का मानना है कि जो योगी जी कर सकते हैं, वह किसी और के बस की बात नहीं है।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे का दावा, संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए कर रहे बातचीत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने दावा किया कि शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए दिल्ली में एक नेता से बातचीत कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राणे ने कहा कि राउत का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के पास उन्हें एक और कार्यकाल के लिए जीत दिलाने को लेकर पर्याप्त विधायक नहीं हैं। महाराष्ट्र में पिछले साल नवंबर में हुए चुनावों में 288 सदस्यीय विधानसभा में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने 20 सीट पर जीत हासिल की थी।

राणे ने संवाददाताओं से कहा, ''राउत को 'सामना' (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी का मुखपत्र) में लिखना चाहिए कि वह शिवसेना (उबाठा) में कितने समय तक टिके

रहेंगे। उन्हें उस नेता के बारे में लिखना चाहिए, जिनसे वह दिल्ली में कांग्रेस में शामिल होने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उन्हें इस मुद्दे पर भी बयान देना चाहिए।'' बार-बार प्रयास करने के बावजूद राउत से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। राणे की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब राउत ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री तथा शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के बीच मतभेद से राज्य में शासन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। राउत ने शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में दावा किया कि शिंदे अभी तक इस तथ्य को स्वीकार नहीं कर पाए हैं कि नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद पुन: नहीं दिया गया और वह इस पद को फिर से हासिल करने की बेहद कोशिश कर रहे हैं और फडणवीस इससे अच्छी तरह से वाकिफ हैं। शिवसेना (उबाठा) और कांग्रेस सहयोगी हैं।

5 फरवरी को त्रिपुरा आएंगे गृहमंत्री शाह, चयनित लोगों को बांटेंगे नियुक्ति पत्र

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 5 फरवरी को त्रिपुरा सरकार में मल्टी-टास्किंग स्टाफ (ग्रेड-डी) पदों के लिए चयनित लोगों को नौकरी के प्रमाण पत्र बांटेंगे। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि 2021 में त्रिपुरा के संयुक्त भर्ती बोर्ड (जेआरबीटी) द्वारा आयोजित परीक्षाओं के जरिए से 2400 से ज्यादा उम्मीदवारों का चयन किया गया था। त्रिपुरा सीएम माणिक साहा और उनके कैबिनेट सहयोगी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। सीएम साहा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सामान्य डिग्री कॉलेजों को मजबूत करने के लिए डिग्री कॉलेजों के लिए प्राचार्यों के 13 पदों को अधिसूचित किया गया है। उन्होंने एक अलग पोस्ट में घोषणा की कि राज्य के सरकारी सामान्य डिग्री कॉलेजों के लिए 201 सहायक प्रोफेसरों की भर्ती की जाएगी इसकी अधिसूचना पहले ही प्रकाशित की जा चुकी है। इस बीच सीएम साहा ने केंद्रीय बजट 2025 की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट समावेशी बजट है जो सबका साथ, सबका विकास के विजन को पूरा करेगा।

यूक्रेन के एनएसए ने अजीत डोभाल से की बात, क्या जंग रुकवाने में अहम होगी भारत की भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूक्रेन के एनएसए के बीच फोन पर बात हुई है। इसकी जानकारी खुद यूक्रेन की ओर से दी गई है। यूक्रेन ने बताया है कि पीएम नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से बात हुई है। इस बातचीत में यूक्रेन और भारत के रिश्तों को लेकर चर्चा हुई है। साथ ही यूक्रेन के मौजूदा हालात पर चर्चा हुई है। इसके अलावा यूएस प्रेसिडेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन में बदलाव के मद्देनजर साझा तौर पर किस तरह के कदम उठाए जाने चाहिए। इस लेकर भारत के साथ यूक्रेनी एनएसए ने चर्चा की है।

जाहिर तौर पर ये बातचीत तब हुई है, जब बार बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहते हैं कि मैं रूस और यूक्रेन का युद्ध रुकवा दूंगा। खासतौर से जब अमेरिका और रूस दोनों ही अपने राष्ट्रपतियों के बीच बातचीत की तैयारी में लगे हुए हैं। जिसकी पृष्णभूमिक पर लगातार काम हो रहा है। ताकी दोनों देशों के बीच कोई सफल बातचीत का आयोजन करवाया जा सके।

एक बात साफ है कि भारत युद्ध में एक बड़ी भूमिका के रूप में उभरा था। रूस से लेकर यूक्रेन तक भारत की भूमिका को बहुत अहम मनाता हैं। एक ओर बातचीत की तैयारी हो रही है। दूसरी ओर रूस की सेना यूक्रेन में लगातार तेजी से हमले कर रही है। रूस ने दावा किया कि उसने पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में एक और गांव पर कब्जा किया है तथा करीब तीन साल के युद्ध के बाद वह महत्वपूर्ण यूक्रेनी साजो-सामान केंद्र पोक्रोव्स्क के और नजदीक पहुंच गया है। हालांकि, रूस के दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है कि उसकी सेना ने नोवोवासिलिव्का पर कब्ज़ा किया है। रूसी सेना महीनों से पोक्रोव्स्क और पास के चासिव यार जैसे प्रमुख दोनेत्स्क गढ़ों पर कब्जा करने की कोशिश कर रही हैं, खेत और जंगलों में अपना रास्ता बना रही हैं तथा छोटी ग्रामीण बस्तियों को अपने कब्जे में ले रही हैं।

ट्रंप लगातार कह रहे थे कि उनके शपथ लेते ही युद्ध रुक जाएगा। उन्होंने यूक्रेन को थोड़ी सी राहत की सांस दी है। 90 पैट्रेट मिसाइल डिफेंस सिस्टम को यूक्रेन की मदद के लिए भेजा है। ये वहीं मिसाइल सिस्टम है जो इजरायल के लिए पहले तैनात किए गए थे। वहीं बात डोभाल की जाएं तब पहले बीते साल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उन्हें इसकी जानकारी दी थी कि पीएम नरेंद्र मोदी और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोल्डोमीर जेलेंस्की के बीच में क्या बातचीत हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूस ने ड्रोन और मिसाइल से किया पोल्टावा शहर पर हमला, 15 की मौत

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते रोज रूस ने पोल्टावा शहर पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है। इससे करीब 15 लोगों की मौत हो गई है। देश भर में दर्जनों आवासीय इमारतों के साथ-साथ ऊर्जा बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि मध्य शहर पोल्टावा में एक रूसी मिसाइल ने एक आवासीय इमारत पर हमला किया, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई और चार बच्चों सहित 16 लोग घायल हो गए। उन्होंने ये भी बताया कि 22 लोगों को मलबे से बचाया गया और आपातकालीन दल रात भर काम करते रहे। बचाव दल ने मृतकों को स्ट्रेचर पर बाहर निकाला। एक रिटायर्ड सैन्य दिग्गज, जिसे यकीन था कि उसके बेटे, बहू और पोती की मौत इमारत की पहली मंजिल (यू.एस. दूसरी) पर हो गई थी, पूरे दिन इमारत के बाहर इंतजार करता रहा, बचाव टीमों से जांच करता रहा क्योंकि वे स्ट्रेचर पर शव लेकर आ रहे थे।मेयर ने इसको लेकर कहा कि यूक्रेन के उत्तर-पूर्व में खार्किव में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार घायल हो गए। वहीं क्षेत्रीय अधिकारियों ने कहा कि हमलों के दौरान तीन पुलिस अधिकारी मारे गए जब वे सुमी के उत्तरपूर्वी क्षेत्र के एक गांव में सड़कों पर गश्त कर रहे थे। यूक्रेन और रूस ने बाद में रूस के कुर्स्क क्षेत्र के यूक्रेनी कब्जे वाले हिस्से में एक बोर्डिंग स्कूल में हॉस्टल पर हमले के लिए दोषारोपण किया, प्रत्येक पक्ष ने दूसरे पर हमला शुरू करने का आरोप लगाया। यूक्रेन की सेना ने कहा कि चार लोग मारे गये हैं। टीवी फुटेज में इमारत के बाहर मलबे के ढेर से धुएं के मोटे गुबार उठते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसका कुछ हिस्सा मेटल और निर्माण सामग्री के मुड़े हुए द्रव्यमान में तब्दील हो गया है। अग्निशमनकर्मी और दर्जनों बचावकर्मी मलबे में खोज कर रहे थे और मृतकों को स्ट्रेचर पर बाहर ले जा रहे थे।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले में 5 की मौत

पेशावर,(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकियों ने पैरामिलिट्री फोर्सेस के वाहन को निशाना बनाया, जिसमें 4 सुरक्षाकर्मी और 1 आम नागरिक की मौत हो गई। यह हमला डेरा इस्माइल खान जिले के दारबान तहसील में हुआ, जो अफगानिस्तान से सटे दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा के करीब स्थित है। पुलिस के अनुसार, करिजात लेवीज बल के जवान एक चोरी हुए ट्रक की बरामदगी के लिए जा रहे थे, तभी आतंकियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

बलूचिस्तान में भी बड़ा आतंकी हमला

इससे पहले शनिवार को बलूचिस्तान प्रांत में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर हमला किया था, जिसमें कम से कम 18 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई थी। पाकिस्तानी सेना के अनुसार, इस मुठभेड़ में 12 आतंकवादी भी मारे गए थे। पिछले 48 घंटों में बलूचिस्तान में कुल 23 आतंकियों को ढेर किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी पर डाली जा रही है, जो पाकिस्तान में लगातार सुरक्षा बलों को निशाना बना रही है।

बढ़ती आतंकी घटनाओं से सुरक्षा पर सवाल

लगातार हो रहे आतंकी हमलों से पाकिस्तान में सुरक्षा हालात गंभीर बने हुए हैं। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सक्रिय आतंकी गुट सरकारी बलों और नागरिकों पर हमले कर रहे हैं।

गोमा शहर की हिंसा में 800 लोगों की मौत, विद्रोहियों और सेना के बीच संघर्ष जारी

गोमा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कॉन्गो (डीआरसी) के गोमा शहर में पिछले एक हफ्ते से जारी हिंसा से नरसंहार जैसी स्थिति पैदा हो गई है। शहर और इसके आस-पास के इलाकों में विद्रोहियों और सेना के बीच भीषण संघर्ष जारी है, जिसमें अब तक 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि गोमा के अस्पतालों के शवगृह में 773 शव रखे हुए हैं। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। यह संघर्ष मुख्य रूप से एम23 विद्रोहियों और डीआरसी की सेना एफएआरडीसी के बीच हो रहा है। एम23 ग्रुप ने पिछले हफ्ते गोमा शहर पर कब्ज़ा कर लिया था। इस विद्रोही गुट को रवांडा का समर्थन मिला हुआ है, जिसमें हथियारों, रसद और सैनिकों की मदद मिल रही है।

भारत-इंडोनेशिया के रिश्तों को मिलीं नई ऊंचाई~पीएम मोदी बोले- हमारा संबंध राम, बुद्ध और मुरुगन से जुड़ा

-महाकंभभिषेकम समारोह में वर्चुअली लिया भाग

जकार्ता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वर्चुअली इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सनातन धर्म आलयम के महाकुंभभिषेकम समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री जोको विडोडो भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने इस ऐतिहासिक पल को भारत और इंडोनेशिया के प्राचीन संबंधों का प्रतीक बताते हुए कहा, भारत और इंडोनेशिया के रिश्ते केवल जियोपोलिटिकल नहीं, बल्कि हजारों साल पुराने संस्कृति और आस्था से जुड़े हैं। उन्होंने भगवान मुरुगन, भगवान राम और भगवान बुद्ध के माध्यम से दोनों देशों के आध्यात्मिक संबंधों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब कोई भारतीय प्रम्बानन मंदिर में प्रार्थना करता है, तो उसे काशी और केदारनाथ जैसा अनुभव होता है। इसी तरह, जब भारतीय इंडोनेशिया की काकावीन रामायण के बारे में सुनते हैं, तो उन्हें वाल्मीकि और कम्ब रामायण की अनुभूति होती है। उन्होंने आगे कहा, कि भारत में इंडोनेशिया की रामलीला का

मंचन होता है, और जब हम बाली में होम स्वस्ति अस्ति सुनते हैं, तो यह हमें भारत के वैदिक स्वस्ति वाचन की याद दिलाता है।

संस्कृति के जरिए बढ़ेगा भारत-इंडोनेशिया सहयोग

पीएम मोदी ने इस अवसर पर भारत और इंडोनेशिया के सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत और इंडोनेशिया ने मिलकर प्रम्बानन मंदिर के संरक्षण का निर्णय लिया है और भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने इंडोनेशिया की विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां इसे भिन्नेका तुंगल इका कहा जाता है, जबकि भारत में इसे विविधता में एकता कहते हैं।

मंदिर बनेगा सांस्कृतिक एकता का केंद्र

पीएम मोदी ने कहा कि जकार्ता में भगवान मुरुगन का यह नया मंदिर न केवल आस्था का बल्कि सांस्कृतिक एकता का भी केंद्र बनेगा। उन्होंने इस मंदिर में अन्य देवी-देवताओं की स्थापना को भारत और इंडोनेशिया की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक बताया। पीएम मोदी ने इस आयोजन को दोनों देशों के लिए नया स्वर्णिम अध्याय बताते हुए कहा कि भारत और इंडोनेशिया का यह साझा इतिहास आने वाले भविष्य को और मजबूत करेगा।

संस्कृति और धरोहर के माध्यम से भारत-इंडोनेशिया के रिश्तों को नई मजबूती मिल रही है।

क्या यह सहयोग दोनों देशों के पर्यटन और आध्यात्मिक जुड़ाव को और आगे बढ़ाएगा?

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हिंसा : 41 मौतों के बाद पहुंचे सेना प्रमुख मुनीर

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में आतंकवादियों और सेना के बीच बड़ी मुठभेड़ हुई, जिसमें 23 दहशतगर्द और 18 सुरक्षाकर्मी मारे गए। सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर अशांत प्रांत में झड़पों के बीच बलूचिस्तान के दौरे पर गए। रिपोर्ट के अनुसार, सेना प्रमुख को प्रांत में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जनरल मुनीर ने कहा, ये तथाकथित उन्मादी कुछ भी कर लें मगर हमारे गौरवशाली राष्ट्र और उसके सशस्त्र बलों से हार जाएंगे। मालूम हो कि बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की अलग-अलग घटनाएं हुईं। इनमें 23 आतंकवादियों मारे गए, लेकिन 18 सुरक्षाकर्मियों की भी मौत हो गई। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि पिछले 24 घंटों में अशांत बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में ये आतंकवादी मारे गए। शनिवार को हरनई जिले में ऐसे ही एक अभियान में राष्ट्रीय सैनिकों की आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में 11 आतंकवादी मारे गए और कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, सेना प्रमुख ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती और राज्यपाल शेख जाफर खान मंडोखाइल से मुलाकात की। उन्होंने मारे गए सैनिकों के अंतिम संस्कार में प्रार्थना की और संयुक्त सैन्य अस्पताल क्वेटा में घायल सैनिकों का हालचाल जानने पहुंचे। कलात जिले के मंगोचर इलाके में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के सड़क पर अवरोधक लगाने के प्रयास को विफल कर दिया। साथ ही, 12 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने बताया, पिछले 24 घंटों में बलूचिस्तान में विभिन्न अभियानों के तहत कुल 23 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। सेना ने बताया कि सुरक्षा बल न केवल बलूचिस्तान बल्कि पूरे पाकिस्तान से आतंकवाद के खात्मे के लिए दृढ़ संकल्प हैं। हालांकि, किसी ने भी हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली। बयान के मुताबिक, अभियान के दौरान 18 सुरक्षाकर्मी भी मारे गए।

ब्रिटेन में फिर जलाई गई कुरान, आरोपी गिरफ्तार

-डेनमार्क में तुर्की दूतावास के सामने का मामला

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में एक शख्स को पवित्र कुरान के पन्ने जलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना पूर्व में करान जलाने वाले सलवान मोमिका की हत्या की खबर के बाद हुई है, इससे इसे उस घटना से जोड़ कर भी देखा जा रहा है।

पुलिस के अनुसार 47 साल के एक शख्स को 'नस्लीय रूप से भड़काऊ सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन' करने के आरोप में 'ग्लेड ऑफ लाइट मेमोरियल' से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। यहां बताते चलें कि ब्रिटेन में पवित्र कुरान के पन्ने जलाने की यह घटना ऐसे वक्त सामने आई जबकि गुरुवार को समाचार मिला कि स्वीडन में सलवान मोमिका की हत्या कर दी गई है। सलवान मोमिका पूर्व में कुरान जलाने का आरोपी रहा है और वह एक ईसाई और इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता के तौर पर पहचान रखता था। सलवान ने साल 2023 में कुरान की प्रतियां जलाई थीं। इस कारण दुनिया में मुस्लिम समाज में उसके प्रति आक्रोश व्याप्त हो गया था। इस घटना के खिलाफ मुस्लिम देशों समेत अनेक देशों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिला था।

कुरान के पन्ने जलाए जाने को लेकर ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस (जीएमपी) की असिस्टेंट चीफ कॉन्स्टेबल स्टेफनी पार्कर का कहना था, कि मेरा मानना है कि इस घटना से हमारे विविध समुदायों में गहरी चिंता उत्पन्न कर सकती है। हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को स्वीकार करते हैं, लेकिन यह तब तक है जब तक कि किसी अन्य को कोई नुकसान न पहुंचे।' उन्होंने कहा कि 'शनिवार दोपहर करीब पौने 03 बजे ग्लेड ऑफ लाइट मेमोरियल क्षेत्र में हुई घटना के बाद एक 47 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल उससे हिरासत में पूछताछ की जा रही है।

पालुदान ने भी जलाई कुरान की प्रति

डेनमार्क की दक्षिणपंथी पार्टी 'स्ट्राम कुर्स' के नेता रासमस पालुदान ने भी मोमिका की हत्या किए जाने के विरोध में कुरान की प्रति जलाई है। तुर्की के दूतावास के बाहर उन्होंने कुरान की प्रति जलाई और इस घटना का वीडियो क्लिप भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। यहां बताते चलें कि इस घटना से पहले भी पालुदान कुरान की प्रतियां जलाने और मुस्लिम समुदाय के खिलाफ विवादित बयान देने के मामले में दोषी करार दिए जा चुके हैं।

अमेरिका ने चीन को चेताया कहा- छिपने की भी जगह नहीं मिलेगी

वॉशिंगटन। ताइवान को लेकर अमेरिका चीन पर भड़का हुआ है। अमेरिका ने साफ कहा है कि कोई भी हो वो अमेरिकी नीतियों में दखल देगा उसे उसका अंजाम भुगतना पड़ेगा और छिपने की भी जगह नहीं मिलेगी। अमेरिकी नौसेना के कैप्टन एलेक्स कैंपबेल ने खुलासा किया कि 'रेप्लिकेटर' पहल का फर्स्ट फेज, जो एक नरक जैसा माहौल बनाने की कोशिश करता है, अगस्त तक चालू होने की उम्मीद है। कैलिफोर्निया में एक यूएस नेवल इंस्टीट्यूट (यूएसएनआई) सम्मेलन में बोलते हुए, कप्तान कैंपबेल ने घोषणा की कि रेप्लिकेटर पहल पूर्व उप रक्षा सचिव कैथलीन हिक्स द्वारा नवंबर 2024 में तय किए गए 'अगस्त 2025 तक वॉर फाइटर्स को हजारों मल्टी-डोमेन, एट्रिटेबल ऑटोनॉमस (एडीए2) सिस्टम प्रदान करने' के लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम होगी। 'एट्रिटेबल' शब्द का मतलब है एक डिज़ाइन एलीमेंट जो सस्ते, फिर से इस्तेमाल होने वाले और डिस्पोजेबल हथियारों के लिए विश्वसनीयता और रखरखाव का लेन-देन करता है। 'नरक जैसा माहौल' और 'रेप्लिकेटर' दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। रेप्लिकेटर प्रोजेक्ट का पहला चरण सरफेस और सब-सरफेस ड्रोन और लूटिंग म्यूनिशन को जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि एक 'नरक जैसा माहौल' बनाया जा सके और ताइवान पर चीनी आक्रमण को नाकाम किया जा सके।

ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई जारी, 1700 अवैध प्रवासी भारतीय हिरासत में

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्ती का असर अब दिखने लगा है। ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद 25 हजार से ज्यादा अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। ट्रंप की आइस टीम ने 12 राज्यों में छापे मारे हैं। मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक ज्यादातर छापे की कार्रवाई रिपब्लिकन राज्यों में हुई है। इनमें 1700 अवैध प्रवासी भारतीयों को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले ही 18 हजार अवैध प्रवासी भारतीयों को डिपोर्ट करने के लिए सिलेक्ट किया जा चुका है। इस दौरान मेक्सिको बॉर्डर से घुसपैठ की घटनाएं 94 फीसदी तक कम हो गई हैं। बाइडेन के कार्यकाल में इस साल 1 जनवरी से 19 जनवरी के बीच रोज औसतन घुसपैठ की 2087 घटनाएं हुईं। ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद 20 जनवरी से 31 जनवरी तक रोज औसतन घुसपैठ की मात्र 126 घटनाएं ही हुईं हैं। अमेरिकी कॉलेज-यूनिवर्सिटी को विविधता, समानता और समावेश प्रोग्राम (डीईआई) के तहत 9 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी को रोकने के आदेश दिए हैं। डीईआई प्रोग्राम में गैर श्वेतों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर और विकलांग छात्रों को रिसर्च और अन्य प्रोजेक्ट के लिए सरकार की ओर से अनुदान मिलता है।

पाकिस्तान में पैसा लगाकर फंस गया चीन, ना तो पोर्ट चल रहा ना ही एयरपोर्ट

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने पाकिस्तान पर भरोसा करके वहां बड़ा निवेश कर दिया है। अब चीन पछता रहा है क्योंकि ना तो पोर्ट चल रहा ना ही एयरपोर्ट।चीन ने बलूचिस्तान में 250 मिलिय डॉलर खर्च कर ग्वादर बंदरगाह का निर्माण कराया। ग्वादर पोर्ट 2007 से 2013 तक सिंगापुर की कंपनी के पास था। उसकी हालत खस्ता होने लगी तो पाकिस्तान ने चीन के सामने हाथ फैलाया। 2013 में चीन की चाइना ओवरसीज पोर्ट होल्डिंग कपंनी के साथ पाकिस्तान ने करार किया। पोर्ट के पूरे मुनाफे का 91 फीसदी चीनी कपंनी और 9 फीसदी ग्वादर पोर्ट ऑथौरिटी में बंटने का एग्रिमेंट हुआ।

बता दें कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा खनिज पदार्थों भंडार है। चीन की कंपनियों खनन कर वहां की सारी पूंजी लूट रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक बलूचिस्तान में चीनी कंपनियां खनन के काम में लगी है। सोने और तांबे से भरे खदानों का सालों से दोहन कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2002 से यह चीनी कंपनियां बलूचिस्तान में खनिज की माईनिंग कर रही है। हर साल तकरीबन 25 टन

सोना और 12000 से 15000 टन तांबे का खनन करती है।

चीन के पैसों पर पाकिस्तान ग्वादर को पाकिस्तान का दुबई बनाने का सपना देख रहा था। लेकिन इस वक्त ग्वादर चीन के लिए आमदनी अठन्नी खर्चा रुपया हो गया है। मुनाफा तो दूर की बात खर्चा निकालना चीन को भारी हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक ग्वादर पोर्ट के लिए सबसे बेहतर साल वह रहा जब 22 बड़े व्यापारिक जहाज ने वहां लंगर डाला। कुल पाकिस्तानी कार्गो शिप के 1 परसेंट भी ग्वादर नहीं पहुंच रहे हैं। 95 फीसदी कार्गो कराची जा रहे है। साल 2023-24 में कराची में 1767 शिप पहुंचे थे। जब्कि ग्वादर में सिर्फ 17। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि व्यापारियों को भी बलूचिस्तान से अपना माल निकलने में खतरा है।

बलूचिस्तान में इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी बनाकर तैयार कर चुका है। लेकिन अभी तक उस एयरपोर्ट से एक भी फ्लाइट ने उड़ान नहीं भरी है। न्यू ग्वादर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को चीन ने 250 मिलियन डॉलर की लागत से बनाया है। इसका 1 जनवरी 2025 को उद्घाटन होना था। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की पहली फ्लाइट ऑपरेट होनी थी लेकिन पहली कमर्शियल उड़ान रद्द कर दी। यह बड़े विमानों को ऑपरेशनल करने के लेहाज से ही डिजाइन किया गया है। पहले इसका उद्घाटन 14 अगस्त 2024 को पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर किया जाना था, लेकिन विरोध प्रदर्शनों के चलते उस वक्त स्थगित करना पड़ा था। दूसरी बार उद्घाटन में देरी बलूच लिबरेशन आर्मी के हमलों के चलते हुई थी। इन हमलों के बाद पाकिस्तान की सिविल एविएशन और बलूचिस्तान सरकार ने सुरक्षा की समीक्षा करने के चलते उद्घाटन को फिर से स्थगित कर दिया था। यानी एक नया पैसा अब तक नहीं कमाया।

अमेरिका-रूस वार्ता में यूक्रेन को शामिल नहीं किए जाने से जेलेंस्की खफा बोले- ऐसे कैसे रुकेगी जंग

वाशिंगटन (एजेंसी)। रुस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करने के प्रयास लगातार हो रहे हैं। ऐसे ही प्रयासों के चलते अमेरिका और रुस के बीच बातचीत हुई है, लेकिन इसमें यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया है। इससे नाराज जेलेंस्की ने यहां तक कह दिया यूक्रेन से बात किए बगैर जंग कैसे थमेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बयान दिया कि उनका प्रशासन रूस-यूक्रेन जंग रुकवाने के लिए बड़ी तेजी से काम कर रहा है। ऐसे में उम्मीद थी कि इजरायल हमास जंग खत्म हो जाएगी। ट्रंप के इरादों पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की बट्टा लगाते हुए नजर आ रहे हैं। अमेरिका-रूस वार्ता में यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया है। यह बात यूक्रेन को नागवार गुजर रही है। लिहाजा उन्होंने यूक्रेन के बिना युद्ध विराम के प्रयासों को खतरनाक करार दिया।

कीव में एक घंटे के इंटरव्यू में ट्रंप-पुतिन की पुरानी दोस्ती पर जेलेंस्की ने कहा कि उनके अपने संबंध हो सकते हैं, लेकिन हमारे बिना यूक्रेन के बारे में

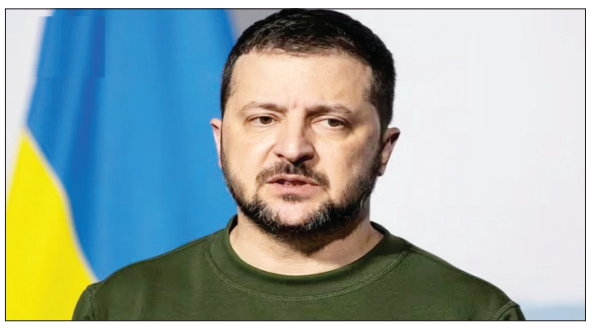

बात करना सभी के लिए खतरनाक है। हमारी टीम ट्रम्प प्रशासन के संपर्क में है, लेकिन वे चर्चाएं सामान्य स्तर पर हैं। मेरा मानना है कि अधिक डिटेल्ड एग्रिमेंट के लिए जल्द ही आमने-सामने की बैठकें होंगी। हमें इस पर और काम करने की जरूरत है। जेलेंसकी ने कहा कि दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप का फोकस फिलहाल घरेलू मुद्दों पर है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध फरवरी 2022 से जारी है। ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद अगले छह महीने के भीतर इस युद्ध का अंत करने का वादा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध में इस वक्त यूक्रेन ने बढ़त बनाई हुई है। यही वजह है कि युद्ध विराम वार्ता में रूस शामिल नहीं होना चाहता है या किसी भी तरह की रियायतों पर चर्चा नहीं करना चाहता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के मेज पर उनके ऊर्जा और बैंकिंग प्रणाली पर लगे प्रतिबंधों पर चर्चा कर सकते हैं। ट्रंप की कोशिश होगी कि रूस को और अधिक प्रतिबंध की बात कहकर उन्हें बताया जाए कि वो युद्ध विराम पर नहीं माने तो अमेरिका युद्ध में यूक्रेन की ऐसे ही मदद करता रहेगा।

आईएसआईएस के ठिकानों पर अमेरिका का हवाई हमला, कई आतंकी मारे गए

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने सोमालिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए हैं। यह जानकारी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर दी है। ट्रंप ने शनिवार सुबह आईएसआईएस के वरिष्ठ हमलावर और उसके द्वारा सोमालिया में भर्ती किए आतंकवादियों पर सैन्य हमले का आदेश दिया था। ये आतंकवादी गुफाओं में छिपे थे, लेकिन अमेरिकी सेना ने उन पर सटीक हमला किया। ट्रंप ने कहा कि ये आतंकवादी अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए खतरा बने हुए थे। ट्रंप ने पोस्ट में कहा कि ये हत्यारे, जिन्हें हमने गुफाओं में छिपे हुए पाया, संयुक्त राज्य अमेरिका और हमारे सहयोगियों के लिए खतरा थे। हमलों ने उन गुफाओं को नष्ट कर दिया गया है, जिनमें वे रहते हैं और बिना नागरिकों को नुकसान पहुंचाए कई आतंकवादियों को मार गिराया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सेना ने सालों से आईएसआईएस हमले के योजनाकार को निशाना बनाया है, लेकिन बाइडेन और उनके साथी काम को पूरा करने के लिए पर्याप्त कार्रवाई नहीं कर पाए। यह काम मैंने कर दिखाया।

कनाडा बोला- अमेरिकी सामान पर लगाएंगे 25 फीसदी टैरिफ, मैक्सिको ने भी सुना दी खरी-खरी

ओटावा (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एलान के बाद 25 फीसदी टैरिफ लगने पर कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने जवाब दिया है। पीएम ट्रूडो ने कहा कि हम भी अमेरिका को जवाब देंगे। हम 155 बिलियन डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामान पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। मंगलवार से 30 बिलियन डॉलर मूल्य के सामान पर यह टैरिफ लागू किया जाएगा। जबकि आने वाले 21 दिन में 125 बिलियन डॉलर मूल्य के सामानों पर और टैरिफ लगाए जाएंगे। वहीं मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने भी डोनाल्ड ट्रंप को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ लगाने से समस्याएं हल नहीं होती हैं। मैक्सिको टकराव नहीं चाहता है। हम पड़ोसी देशों के बीच सहयोग से शुरुआत करते हैं।

कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि मैं सीधे अमेरिकियों हमारे सबसे करीबी दोस्तों और पड़ोसियों से बात करना चाहता हूं। यह ऐसा विकल्प है जो कनाडाई लोगों को नुकसान पहुंचाएगा, लेकिन इस फैसले के अमेरिकी लोगों के लिए वास्तविक परिणाम होंगे। जैसा कि मैंने लगातार कहा है कि कनाडा के खिलाफ टैरिफ आपकी नौकरियों को खतरे में डाल देगा।पीएम ट्रूडो ने कहा कि राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने कई वर्ष पहले कहा था कि भूगोल ने हमें पड़ोसी बनाया है। इतिहास ने हमें मित्र बनाया है। अर्थशास्त्र ने हमें साझेदार बनाया है और आवश्यकता ने हमें मित्र बनाया है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक नए स्वर्ण युग की शुरुआत करना चाहते हैं, तो बेहतर रास्ता कनाडा के साथ साझेदारी करना है, न कि हम पर टैरिफ लगाना। इससे पहले ट्रूडो ने एक्स पर लिखा कि कनाडाई लोग ऐसा नहीं चाहते थे, लेकिन वे इसके लिए तैयार हैं। ट्रूडो ने इस मामले को लेकर पहले मंत्रिमंडल से चर्चा की थी। अब वे मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम से बात करेंगे। अमेरिका ने 4 फरवरी से अधिकांश कनाडाई वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ और ऊर्जा पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही है। मैंने आज शीर्ष नेताओं और हमारे मंत्रिमंडल से मुलाकात की है। मैं जल्द ही मैक्सिको की राष्ट्रपति शीनबाम से बात करूंगा।

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा कि नशीली दवाओं की तस्करी में शामिल आपराधिक संगठनों से मैक्सिको का कोई संबंध नहीं है। अगर अमेरिका इन संगठनों से निपटना चाहता है तो हमें मिलकर काम करना चाहिए। लेकिन हमेशा साझा जिम्मेदारी, आपसी विश्वास, सहयोग और सबसे बढ़कर संप्रभुता के सम्मान के सिद्धांतों से समझौता नहीं किया जा सकता। मैं समन्वय को हां कहती हूं और अधीनता को ना कहती हूं। उन्होंने साझा चिंताओं को दूर करने के लिए दोनों देशों की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा टीमों के साथ समूह बनाने का प्रस्ताव रखा।

शीनबाम ने एक्स पर लिखा कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप को प्रस्ताव देती हूं कि हम अपनी सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा टीमों के साथ कार्य समूह स्थापित करें। समस्याएं टैरिफ लगाने से हल नहीं होती हैं बल्कि बातचीत और संवाद से हल नहीं होती हैं। जैसा कि हमने हाल ही में अमेरिकी विदेश विभाग के साथ मिलकर अप्रवासियों के मुद्दे पर

काम किया। मैक्सिको की टीम प्रवासियों से संबंधित मामलों में अमेरिका के साथ लगातार संपर्क में थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रवासियों की गिरावट में का जो ग्राफ सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, वह मेरी ही टीम ने बनाया था। टीम लगातार उनके साथ संवाद में थी। उन्होंने कहा कि मैं अर्थव्यवस्था सचिव को प्लान बी बनाने का निर्देश देती हूं, जिस पर हम काम कर रहे हैं। इसमें मैक्सिको के हितों की रक्षा के लिए टैरिफ और गैर टैरिफ उपाय शामिल हैं। बलपूर्वक नहीं सब कुछ तर्क और सही तरीके से होगा। मैक्सिको की राष्ट्रपति शीनबाम ने अमेरिका की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने मैक्सिको के आपराधिक संगठनों के साथ संबंध के आरोप लगाए हैं। हम इसे खारिज करते हैं। चार महीनों में हमारी सरकार ने 40 टन से अधिक ड्रग्स जब्त किए हैं। 10 हजार से अधिक लोगों को पकड़ा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनहितकारी बजट के लिए मोदी सरकार का आभार – सी.आर. पाटिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया, जिसके संदर्भ में सूरत में प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

सी.आर. पाटिल ने बजट को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 50.65 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी की केंद्र सरकार का यह बजट गरीबों, महिलाओं, किसानों सहित सभी वर्गों की अपेक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने पिछले दस वर्षों में यह सुनिश्चित किया कि हमारी सेना की 75त्न आवश्यकताओं का उत्पादन भारत में ही हो। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है, जिससे किसानों को बैंकों से अधिक लोन मिल सकेगा। स्वस्थ्य क्षेत्र में रजिस्टर उद्योगों के कार्ड की सीमा भी 5 लाख तक बढ़ा दी गई है।

बजट में वेतनभोगी लोगों के लिए 12.75 लाख रुपये तक की आय कर-मुक्त रखी गई है, जबकि अन्य करदाताओं के लिए 12 लाख रुपये तक की आय पर कर-मुक्ति दी गई है। यह पहला बजट है जिसमें सरकार की आमदनी तो नहीं बढ़ी, लेकिन जनता की आय में वृद्धि हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि जल जीवन मिशन योजना के तहत 15.44 करोड़ घरों में पानी पहुंचाया गया है, यानी यदि व्यक्ति की संख्या के हिसाब से देखा जाए तो 75 करोड़ लोगों तक पानी पहुंच चुका है। अब भी 4.33 करोड़ घरों में पानी पहुंचाने का कार्य बाकी है, जिसे पूरा करने के लिए इस बजट में इस योजना के तहत 67 हजार करोड़ रुपये और योजना के लिए कुल 2.8 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। जल जीवन मिशन योजना के तहत जनता को मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

गुजरात में गिफ्ट सिटी में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई सुविधाएं और लाभ देने की घोषणाएं इस बजट में की गई हैं, जो यह दर्शाता है कि प्रत्येक व्यक्ति और वर्ग को इस बजट में शामिल किया गया है। यही कारण है कि लोग इस बजट से संतुष्ट महसूस कर रहे हैं। मोदी सरकार ने बजट में सभी लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास किया है, इसके लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी का आभार व्यक्त करता हूं।

इस कार्यक्रम में सूरत महानगर अध्यक्ष निरंजनभाई झांझमेड़ा, गुजरात राज्य के राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल, मेयर दक्षेशभाई मावाणी, महामंत्री किशोरभाई बिंदल, कालुभाई भीमनाथ, डिप्टी मेयर डॉ. नरेंद्रभाई पाटिल, स्थायी समिति अध्यक्ष राजनभाई पटेल, विधायक प्रवीनभाई घोघारी, अरविंदभाई राणा, संदीपभाई देसाई, मनुभाई पटेल और सत्तारूढ़ दल की नेता शशिबेन त्रिपाठी उपस्थित थे।अग्रवाल, अशोक चौकड़िका, गणेश अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

श्री श्याम मंदिर पटोत्सव पीले फूलों से सजा बाबा का दरबार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम का आठवां पाटोत्सव बसंत पंचमी, रविवार को धूम-धाम से मनाया गया। इस मौक़े पर मंदिर प्रांगण को दुल्हन की तरह सजाया गया एवं बाबा श्याम का विभिन्न क़िस्म के पीले फूलों से शृंगार किया गया व पीला बागा पहनाया गया।

पटोत्सव के मौक़े पर सुबह साढ़े सात बजे से मंदिर पर पूजा विधान का आयोजन किया गया एवं दोपहर को बाबा को राजभोग, छप्पन भोग अर्पण किया गया और महाआरती की गई। इस मौक़े पर सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी।

शाम पाँच बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकारों के बाद दिल्ली की प्राची गोयल एवं सोनभद्र के संजीव शर्मा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान उनके भजनों पर भक्त भाव विभोर हो बाबा का गुणगान किया। देर रात तक चली भजन संध्या में हज़ारों भक्त उपस्थित रहें । पटोत्सव के अवसर पर सभी भक्तों को छप्पन भोग एवं बाबा का ख़ज़ाना का वितरण किया गया।

पेश हुए बजट पर कपड़ा व्यापारी विशाल अग्रवाल की प्रतिक्रिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बजट पेश किया। हर साल की तरह इस साल भी सूरत के व्यापारियों को मानों सिर्फ जुमला ही मिला है। वन नेशन वन टैक्स की बात की जाती है, लेकिन सूरत के कपड़ा व्यापारियों के लिए नहीं है। उनको कई प्रकार के टैक्स आज भी देने पड़ते हैं जैसे की प्रोफेशनल टैक्स और भी MSME लोन का बेनिफिट आज तक सूरत के मध्यवर्गीय कपड़ा व्यापारियों को नहीं मिल रहा है। सिर्फ घोषणा ही की जाती है। त्रस्ज्ञ के नाम पर कागजी कार्यवाही भी कितनी ज्यादा करनी पड़ती है। व्यापारी व्यापार कम कर पा रहे है और कागजी कार्यवाही मे ज्यादा उलझा हुआ रहता है। 12 लाख आय पर छूट दिया गई है लेकिन इतने आय वाले लोग कितने प्रतिशत है। आज भी देश मे 80 करोड़ लोगो को नि:शुल्क अनाज दिया जा रहा है।

सूरत में वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़, नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कापोद्रा पुलिस ने 6 बाइक के साथ एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मौज-मस्ती पूरी करने के लिए वाहन चोरी किया करते थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर इनकी गिरफ्तारी की। उल्लेखनीय है कि चोरी करने से पहले ये आरोपी योजना बनाते थे और उसमें नाबालिग को भी शामिल करते थे।

सूरत शहर में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शहर के लगभग हर इलाके में वाहन चोरी की शिकायतें रोजाना दर्ज हो रही हैं। हालांकि, कुछ लोग शिकायत दर्ज करवाने से बचते हैं। इस बीच, कापोद्रा पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग चोरी की बाइक लेकर उसे बेचने जा रहे हैं। इस पर पुलिस ने जाल बिछाकर एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को धर दबोचा।

पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपी पहले मजदूरी का काम करते थे, लेकिन कुछ दोस्तों के प्रभाव में आकर काम छोड़कर मौज-मस्ती करने लगे। महीने के अंत में जब घरवाले वेतन मांगते, तो चारों बाइक चोरी करने लगते। चोरी की गई बाइक को वे जल्द ही बेच देते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की 6 बाइक बरामद की हैं।

गिरफ्तार आरोपी:

१. सिफुन कालू स्वाईं (उम्र 19, पेशा- पानी फैक्ट्री में मजदूरी, निवासी- राममंदिर, लस्काणा, सूरत; मूल निवासी- एस. गोपालपुर, पटवपुर, गंजाम, ओडिशा)

२. तूफान अरुण बिशोई (उम्र 25, पेशा- लूम्स फैक्ट्री में मजदूरी, निवासी- भरतभाई का मकान, राममंदिर, लस्काणा, सूरत; मूल निवासी- खड़पुट्टी, गांगोपुर, गंजाम, ओडिशा)

३. पप्पुन सीमा प्रधान (उम्र 21, पेशा- लूम्स फैक्ट्री में मजदूरी, निवासी- राममंदिर, लस्काणा, सूरत; मूल निवासी- एस. गोपालपुर, पटवपुर, गंजाम, ओडिशा)

इसके अलावा एक नाबालिग भी शामिल।

पूछताछ में सामने आया कि पप्पुन सीमा प्रधान, उसका भाई सिफुन कालू स्वाईं और नाबालिग मिलकर बाइक चोरी करने की योजना बनाते थे। चोरी की वारदातों को अंजाम देने का तरीका यह था कि सिफुन कालू स्वाईं और नाबालिग बाइक चुराते, फिर आरोपी पप्पुन सीमा प्रधान ग्राहक ढूंढकर चोरी की बाइक बेच देता।

पुलिस अब इन आरोपियों से और भी मामलों में पूछताछ कर रही है।

पांडेसरा में पुलिस का कॉम्बिंग ऑपरेशन, ड्रोन से निगरानी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में कानून और व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए पुलिस समय-समय पर विभिन्न इलाकों में कॉम्बिंग ऑपरेशन चला रही है। इससे असामाजिक तत्वों पर पुलिस का खौफ बना रहे यह जरूरी है। जांच के दौरान अगर किसी असामाजिक तत्व के पास से हथियार बरामद होते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है।

सूरत पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार हर जोन में समय-समय पर चेकिंग अभियान चलाया जाता है। खासकर तापी नदी के किनारे या खाली स्थानों पर कुछ असामाजिक तत्व अड्डा बना लेते हैं। ऐसे इलाकों पर नजर रखने के लिए कॉम्बिंग ऑपरेशन किया जाता है। ड्रोन की मदद से इन सुनसान जगहों की निगरानी की जाती है और कोई भी संदिग्ध गतिविधि पाई जाती है तो तुरंत कार्रवाई की जाती है। पांडेसरा पुलिस ने पूरे खाड़ी क्षेत्र और उन स्थानों पर जांच की, जहां असामाजिक तत्वों की आवाजाही या ठिकाने होने की संभावना थी। पूरे इलाके में बारीकी से चेकिंग अभियान चलाया गया।

डीसीपी ज़ेड. आर. देसाई ने बताया कि पांडेसरा इलाके में कॉम्बिंग अभियान चलाया गया। कई बार सुनसान इलाकों में अपराध होते हैं, इसलिए पुलिस लगातार निगरानी रखती है और कार्रवाई करती है। कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान इन इलाकों में विशेष ध्यान दिया गया। ड्रोन की मदद से भी पूरे क्षेत्र की जांच की गई। इस दौरान, इलाके में रहने वाले संदिग्ध लोगों की पहचान की गई और जिन असामाजिक तत्वों की जानकारी पुलिस के रिकॉर्ड में थी लेकिन वे मौके पर नहीं मिले, उनके वर्तमान ठिकानों का भी पता लगाया गया।

कॉम्बिंग के दौरान कोई हथियार या अन्य संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, लेकिन पुलिस समय-समय पर ऐसे इलाकों में ऑपरेशन चलाकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास कर रही है।